INDEX

Sr. No.	Topic	Date	Pages	Signature of the Supervisor
1)	**Micro Teaching Lessons**			
1.	उद्दीपन विविधता	28/11/2016	1-2	
2.	लिंग व उसके भेद	29/11/2016	3-4	
3.	कविता 'फूल और कांटे'	30/11/2016	5-8	
4.	कबीर के 'दोहा साखी'	1/11/2016	9-16	
5.	कारक व उसके भेद	3/12/2016	17-24	
2)	**Mega Lessons**			
1.	कविता 'मेघ आए बन-ठन कर'	7/12/2016	25-31	
2.	पाठ क्या निराश हुआ जाए	8/12/2016	33-38	
3.	निबंध 'भारत की राजधानी नई दिल्ली'	9/12/2016	39-46	
4.	सर्वनाम व उसके भेद	10/12/2016	47-52	
5.	विशेषण व उसके भेद	14/12/2016	53-58	
3)	**Discussion Lesson-I**			
	हमारे राष्ट्रीय प्रतीक	15/5/2017	59-65	
4)	**School Teaching Practice Lessons**			
1.	समास व उसके भेद	19/12/2016	67-72	
2.	कबीर की साखियाँ	20/12/2016	73-78	
3.	क्रिया विश्लेषण व भेद	21/12/2016	79-84	
4.	संज्ञा व उसके भेद	22/12/2016	85-90	
5.	पाठ 'क्या निराश हुआ जाए	23/12/2016	91-96	
6.	काल व उसके भेद	24/12/2016	97-101	
7.	निबंध 'विद्यार्थी व अनुशासन	9/1/2017	103-108	
8.	विराम चिह्न	10/1/2017	109-114	
9.	कारक व उसके भेद	11/1/2017	115-120	
10.	कविता चन्द्रगहना से लौटती बेर	12/1/2017	121-126	
11.	वचन व उसके भेद	13/1/2017	127-132	
12.	क्रिया व उसके भेद	14/1/2017	133-137	
13.	मुहावरे	17/1/2017	139-143	
14.	सर्वनाम व उसके भेद	18/1/2017	145-150	
15.	विशेषण व उसके भेद	19/1/2017	151-156	Pahwa
16.				
17.				
18.				
19.				
20.				
5)	**Discussion Lesson-II**			
6)	**Observation Lessons**			
7)	**School Report**			

Scanned with CamScanner

MICRO TEACHING LESSONS

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ...1.........

Pupil Teacher's Roll No. 29 Class 6

Subject Hindi Time 5 मीनट

Topic अध्यापक दिवस Date 28 | 11 | 2016

प्रस्तावना कौशल

कौशल के मानदण्ड :-

1. विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित करना।
2. पूर्वज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।
3. पाठ के प्रति रुचि पैदा करना।
4. विषय - वस्तु की स्पष्टता।
5. विद्यार्थियो का अधिक से अधिक भागलेना।

प्रस्तुतीकरण :-

	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	घटक
	(छात्राध्यापिका छात्रों से निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी)	(छात्र पूछे गए प्रश्नो के उत्तर देने की कोशिश करेंगे।	
1	भारत कब आजाद हुआ ?	1) 15 अगस्त 1947	पूर्वज्ञान का प्रत्यास्मरण
2.	भारत मे कौन - 2 से पर्व मनाये जाते है ?	2) भारत मे दशहरा, तीज, होली दीपावली आदि पर्व मनाये जाते है	
3.	भारत के प्रमुख राष्ट्रीय पर्व कौन - से है ?	3) 15 अगस्त, 26 जनवरी, 5 सितम्बर, 14 नवम्बर आदी	प्रश्नो का मूल पाठ से सम्बन्ध
4.	5 सितम्बर को किस दिवस के रूप में मनाया जाता है ?	4) 5 सितम्बर को अध्यापक दिवस के रूप में मनाया जाता है	प्रश्नो मे क्रमबद्धता
5.	अध्यापक दिवस क्यों मनाया जाता है ?	5) विद्यार्थी मौन या गलत उत्तर देंगे	

उपविषय की घोषणा :-

" अच्छा बच्चों, आज हम

'अध्यापक दिवस' के विषय में अध्ययन करेंगे

निरीक्षण तालिका

घटक	निर्धारित मापनी
1. पूर्वज्ञान का उपयोग	0 1 2 (3) 4 5 6
2. कथनों का मूलपाठ से सम्बन्ध	0 1 2 3 (4) 5 6
3. प्रश्नों में क्रमबद्धता	0 1 2 (3) 4 5 6
4. छात्रों का ध्यान व रुचि आकर्षण	0 1 2 (3) 4 5 6
5. प्रस्तावना की अवधि	0 1 2 (3) 4 5 6
6. प्रस्तावना का प्रभावपूर्ण प्रस्तुतीकरण	0 1 2 (3) 4 5 6

पर्यवेक्षक हस्ताक्षर

Pawan
28/11/26

Lesson No. : ...2.........

Pupil Teacher's Roll No 29 Class 8th

Subject हिन्दी Time 6 Mint

Topic लिंग व उसके भेद Date 23/11/2016

प्रश्न कौशल

कौशल के मानदण्ड :-

1. उत्तरो को शुद्ध करना।
2. विद्यार्थियों का अधिक से अधिक भाग लेना
3. उत्तरो के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना
4. उचित समय में अधिक प्रश्न पूछना
5. उचित भाषा का प्रयोग करना।
6. विद्यार्थियों में समालोचनात्मक का विकास करना

उपविषय की घोषणा :- "अच्छा बच्चों, आज हम 'लिंग व उसके भेद के विषय में अध्ययन करेंगे।"

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	घटक
(छात्राध्यापिका छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछेगी)	छात्र अनुक्रिया (छात्र पूछे गए प्रश्नो के उत्तर देंगे)	घटक
1 लिंग किसे कहते हैं?	1) उत्तर देंगे।) संज्ञा के जिस रूप से स्त्री या पुरुष जाति का बोध हो, उसे लिंग कहते हैं।	स्पष्टता
2. लिंग के कितने भेद हैं?	2) लिंग के दो भेद हैं।	उचित गति
3. लिंग के दो भेद कौन-2 से हैं?	3) पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग	संक्षिप्तता
4. जिस शब्द से स्त्री जाति का बोध हो, उसे क्या कहते हैं?	4) उसे स्त्रीलिंग कहते हैं।	प्रश्नों का स्तर

Scanned with CamScanner

5. जिस शब्द से पुरुष जाति का बोध हो, उसे क्या कहते हैं? — उसे पुल्लिंग कहते हैं। सम्बद्धता

निरीक्षण तालिका

	घटक	निर्धारित मापनी						
		0	1	2	3	4	5	6
1	संबद्धता	0	1	2	(3)	4	5	6
2.	स्पष्टता	0	1	2	(3)	4	5	6
3.	संक्षिप्तता	0	1	2	3	(4)	5	6
4.	सही व्याकरण का प्रयोग	0	1	2	(3)	4	5	6
5.	विशिष्टता	0	1	2	3	(4)	5	6
6.	प्रश्नों का स्तर	0	1	2	(3)	4	5	6
7.	गति	0	1	2	3	(4)	5	6
8.	आवाज	0	1	2	(3)	4	5	6
9.	वितरण	0	1	2	3	(4)	5	6
10.	विराम	0	1	2	3	(4)	5	6

Satwant
29/11/18
पर्यवेक्षक हस्ताक्षर

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ...3.....

Pupil Teacher's Roll No.................................... Class.......7th.....................

Subject..........हिन्दी.................... Time........6 मिनट.....................

Topic..कविता 'फूल और कांटा'. Date.....30/11/2016...........

खोजपूर्ण प्रश्न कौशल

कौशल के मानदण्ड :-

1. उत्तरों को शुद्ध करना।
2. विद्यार्थियों का अधिक से अधिक भाग लेना
3. उत्तर देने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना।
4. उचित समय में अधिक प्रश्न पूछना।
5. उचित भाषा का प्रयोग करना
6. विद्यार्थियों में समालोचनात्मकता का विकास करना

उपविषय की घोषणा :- "अच्छा बच्चों, आज हम कविता 'फूल और कांटा' के विषय में अध्ययन करेंगे।"

प्रस्तुतीकरण :-

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	घटक
(छात्राध्यापिका छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछेगी)	(छात्र पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे)	
1) बाग में खुशबू	1) फूल।	

Scanned with CamScanner

प्रश्नात्मक क्रिया	छात्र अनुक्रिया	कौशल
देने वाली वस्तु कौन सी होती है?		संकेत
2) फूल के साथ चुभने वाली कौन-सी वस्तु होती है?	2) कांटा।	अधिक सूचना
3) किस फूल के पौधे के साथ कांटा भी होती है?	3) गुलाब के फूल	अधिक सूचना
4) फूल और कांटे में से तुम्हें क्या पसन्द है?	4) फूल।	पुनः केन्द्रीकरण
5) एक ही शाखा पर जन्म लेने पर कांटा बुरा और फूल क्यों अच्छा है?	5) क्योंकि दोनो के स्वभाव में अन्तर है।	आलोचनात्मक सजगता
6) दोनो के स्वभाव में अन्तर कैसे हो सकता है जब दोनो एक शाखा पर पलते और बढते हैं?	6) जिस प्रकार एक ही कुल में जन्म लेने पर भी दो भाइयों में अन्तर होता है।	

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट
7) कवि 'फूल और काँटा' कविता के माध्यम से क्या कहना चाहता है?	7) कुल के बड़ा होने से कोई व्यक्ति महान नहीं होता है।	
8) महान बनने के लिए मनुष्य में क्या होना चाहिए?	8) महान बनने के लिए व्यक्ति में अच्छे गुणों का होना अति आवश्यक है।	पुन: प्रेक्षण
9) गुलाब को किन गुणों के कारण पसन्द किया जाता है?	9) गुलाब में सुगन्ध, सुन्दरता और रस के कारण पसन्द किया जाता है।	
10) कवि ने इस कविता के माध्यम से क्या संदेश दिया है?	10) बड़े कुल में जन्म लेने से व्यक्ति बड़ा नहीं होता, बल्कि वह अपने गुणों के कारण बड़ा होता है।	आलोचनात्मक सजगता

Scanned with CamScanner

निरीक्षण तालिका :

	घटक	निर्धारित मापनी						
1	अनुबोधन	0	1	2	(3)	4	5	6
2.	अधिक सूचना प्राप्ति	0	1	2	3	(4)	5	6
3.	पुन: केन्द्रण	0	1	2	3	(4)	5	6
4.	पुन: निर्देशन	0	1	2	3	4	(5)	6
5.	समीक्षात्मक जागरूकता में वृद्धि	0	1	2	3	(4)	5	6

पर्यवेक्षक हस्ताक्षर

Palwanl
30/11/11

Lesson No. : ...11........

Pupil Teacher's Roll No...

Subject........हिन्दी..................................... Class..........8th...................................

Topic.....कबीर के दोहे व साखी............ Time..........6 मिनट....................................

Date.....26/12/2016.............

व्याख्या कौशल

कौशल के मानदण्ड :-

1. उपविषय से सम्बंधित विचारों से छात्रों को अवगत कराना
2. सरल, स्पष्ट व रोचक भाषा का प्रयोग करना
3. उपविषय के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालना
4. व्याख्या के समय सामान्य गति बनाए रखना
5. उचित कथनों का प्रयोग करना

उपविषय की घोषणा :-

" अच्छा बच्चो, आज हम 'कबीर के दोहे' के विषय में अध्ययन करेंगे। "

प्रस्तुतीकरण

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रा अनुक्रिया	घटक
(छात्राध्यापिका विषय-वस्तु की पूर्णरूपेण व्याख्या करेगी)	(छात्रा ध्यानपूर्वक सुनेंगी व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगी)	

Scanned with CamScanner

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	पटल
दोहा :- करत - करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान। रसरी आवत - जात ते सिल पर पड़त निशान	छात्र ध्यानपूर्वक अध्यापक व प्रमुख बिन्दुओं को लिखेंगे	प्रारंभिक कथन
व्याख्या :- इस दोहे में कबीर जी ने बताया है कि बार-2 अभ्यास करने पर कठिन - से - कठिन कार्य में भी सफलता मिल जाती है। जिस प्रकार से कुएँ में से पानी निकालते है तो रस्सी के लगातार आने - जाने से पत्थर पर भी निशान पड़ जाता है ठीक उसी प्रकार से यदि हम बार-2 मेहनत करते है तो सफलता मिलती है चाहे वह		आवश्यक बिन्दुओं पर ध्यान

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट
कार्य कितना भी कठिन क्यों न हो । इसलिए हमें जीवन में प्रयास करते रहना चाहिए । निष्कर्ष :- इस दोहे के माध्यम से कबीर दास जी ने हमें यह बताया है कि निरंतर अभ्यास करने से हर कार्य में सफलता मिलती है इसलिए हमे अपने जीवन में प्रयास करते रहना चाहिए चाहे वह कार्य कठिन क्यों न हो ।	(छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिन्दुओं को लिखेंगे)	स्पष्ट उपसंहारात्मक कथन

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	दक्षता
साखी :- ऊँचे कुल का जनमिया, जे करनी ऊँच न होइ। सुबरन कलस सुरा भरा, साधु निंदा सोइ॥ व्याख्या :- कबीर जी इस साखी मे कहते है कि ऊँचे कुल मे जन्म लेने से क्या लाभ हो सकता है। यदि व्यक्ति के कर्म ऊँचे या श्रेष्ठ न हो। जैसे सोने के बने घड़े में शराब होने पर भी वह सज्जनो के द्वारा निंदनीय है। चाहे कोई भी व्यक्ति शारीरिक	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिन्दुओं को लिखेंगे।	प्रारंभिक कथन

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No.. Class..

Subject.. Time..

Topic.. Date..

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	घटक
रूप से भले ही कोई उच्च कुलीन हो, किन्तु दुर्गुणी होने पर वह सज्जनों के लिए मिदंनीय ही है। कोई भी व्यक्ति ऊँचे कुल में जन्म लेने से सज्जन नहीं होता बल्कि वह अपने अच्छे गुणों के कारण ही महान या सज्जन व्यक्ति होता है। कुल का व्यक्ति के सज्जनता से नहीं है, चाहे वह ऊँचे कुल या नीचे कुल से क्यों न हो।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे	स्पष्ट उपलब्ध्यात्मक कथन

Scanned with CamScanner

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रा अनुक्रिया	घटक
निष्कर्ष :- इस साखी के माध्यम से कबीर जी कहते है कि व्यक्ति शारीरिक रूप से भले ही कोई उच्च कुलीन हो किन्तु दुर्गुणी होने पर वह सज्जनो के लिए निंदनीय है।		
(छात्राध्यापिका छात्रों से निम्नोक्ति प्रश्न पूछेगी।)	(छात्रा पूछे गए प्रश्नो के उत्तर देंगी।)	
1) इस दोहे के रचियता कौन है?	1) कबीरदास जी।	बोध परीक्षण
2) दोहे में 'रसरी' का अर्थ क्या है?	2) दोहे मे 'रसरी' का अर्थ रस्सी है।	

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No.. Class..

Subject.. Time..

Topic... Date...

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र छात्रक्रिया	श्यामपट्ट
3) पढ़ाए गए दोहे में 'आवत - जात' का क्या अर्थ है?	3) इसमें 'आवत - जात' का अर्थ है - आना - जाना	
4) पढ़ाई गई साखी में 'जनमिया' का क्या अर्थ है?	4) 'जनमिया' का अर्थ है :- जन्म लेने वाला	बोध परीक्षण
5) साखी में 'सुबरन' का क्या अर्थ है?	5) 'सुबरन' का अर्थ है :- स्वर्ण।	
6) साखी मे 'कलश' का क्या अर्थ है?	6) 'कलश' का अर्थ है :- घड़ा।	
7) साखी मे 'निंदा' का क्या अर्थ है?	7) 'निंदा' का अर्थ है :- बुराई करना।	

Scanned with CamScanner

निरीक्षण तालिका

	घटक	निर्धारण मापनी
1	उपयुक्त प्रारंभिक कथनों का प्रयोग	0 1 2 3 (4) 5 6
		0 1 2 3 (4) 5 6
2.	आवश्यक बिंदुओं पर ध्यान	0 1 2 3 4 (5) 6
3.	योजक शब्दों का प्रयोग	0 1 2 3 4 (5) 6
4.	प्रवाहमयी भाषा का प्रयोग	0 1 2 3 4 5 (6)
5.	स्पष्ट उपसंहार कथन	0 1 2 3 4 (5) 6
6.	बोध परीक्षण	0 1 2 3 (4) 5 6
7.	तकनीकी शब्दों का अर्थ बताना	0 1 2 3 (4) 5 6

Pahwa
01/12/1[illegible]

पर्यवेक्षक हस्ताक्षर

Lesson No. : 5

Pupil Teacher's Roll No. .... Class 7th

Subject हिन्दी Time 6 मिनट

Topic कारक व उनके भेद Date 2/12/2016

उदाहरण कौशल

कौशल के मानदण्ड :-

1. विषय - वस्तु की प्रभावी व्याख्या के लिए
2. सहायक शिक्षण सामग्री का प्रयोग
3. व्याख्या को प्रभावी व सजीव बनाना।
4. विद्यार्थियों के ध्यान को आकर्षित करना।
5. विषय - वस्तु के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डालना।
6. विद्यार्थियों की स्मरण व कल्पना शक्ति को विकसित करना।

उपविषय की घोषणा :- " अच्छा बच्चों, आज हम 'कारक व उनके भेद' के विषय में अध्ययन करेंगे।"

प्रस्तुतीकरण :-

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	घटक

Scanned with CamScanner

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	शिक्षक
1) वाक्य में क्रिया तथा अन्य शब्दों के साथ संज्ञा व सर्वनाम का संबंध करने वाले शब्द क्या वर्ण क्या कहलाते हैं?	1) कारक	
2) कारक के चिह्न को क्या कहते हैं?	2) विभक्तियाँ	
3) विभक्ति चिह्नों के नाम बताओ?	3) ने, को, से, के लिए, से, का। के। की, में। पर, हे। रे। अरे।	
4) कारक के कितने भेद होते हैं?	4) आठ।	
5) कारक के आठ भेदों के नाम:- I कर्ता कारक। II कर्म कारक। III करण कारक। IV संप्रदान कारक।		

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No.................................... Class...

Subject... Time...

Topic.. Date...

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	दृष्टक
V अपादान कारक । VI संबंध कारक । VII अधिकरण कारक । VIII संबोधन कारक ।		
6) कार्य या क्रिया करने वाले की जानकारी देने वाला शब्द क्या कहलाते है?	6) कर्ता कारक	
7) कर्ता कारक का विभक्ति चिह्न क्या है?	7) कर्ता कारक का विभक्ति चिह्न 'ने' है।	
8) कर्ता कारक का उदाहरण दो?	8) रमेश ने पत्र लिखा।	
9) कर्म कारक किसे कहते है?	9) क्रिया के फल या काम के होने का प्रभाव जिस पर पड़े, वह कर्म कारक होता है।	

Scanned with CamScanner

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	घटक
10) कर्ता कारक का विभक्ति चिह्न क्या है?	10) कर्ता कारक का विभक्ति चिह्न 'को' है।	
11) कर्म कारक का उदाहरण दो?	11) भिखारी को बुलाओ	
12) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से काम करने के साधन का बोध होता है उसे क्या कहते हैं?	12) करण कारक।	
13) 'से' किस कारक का विभक्ति चिह्न है?	13) करण कारक	
14) वह कलम से लिखता है, इस वाक्य में कौन सा कारक प्रयोग हुआ है?	14) करण कारक क्योंकि इस वाक्य में 'से' विभक्ति चिह्न प्रयोग हुआ है।	

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र प्रतिक्रिया	धारक
15) सम्प्रदान कारक किसे कहते है?	जिस संज्ञा या सर्वनाम के लिए क्रिया या काम के करने का संकेत मिलता है, उसे सम्प्रदान कारक कहते हैं।	
16) सम्प्रदान कारक का उदाहरण दो?	16) भिखारी के लिए रोटी लाओ।	
17) सम्प्रदान कारक का विभक्ति चिह्न कौन - से होते है?	17) सम्प्रदान कारक का विभक्ति चिह्न 'को' और 'के लिए'।	
18) जिस संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी वस्तु के अलग होने का बोध हो, उसे कौन - सा कारक कहते है?	18) अपादान कारक	

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट
19) अपादान कारक का विभक्ति चिह्न क्या होता है?	19) 'से'।	
20) अपादान कारक का उदाहरण दो?	20) वृक्ष से पत्ता गिरा।	
21) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप में उसका संबंध वाक्य की किसी दूसरी संज्ञा या सर्वनाम से प्रकट हो, उसे कौन - सा कारक कहते हैं?	21) संबंध कारक	
22) संबंध कारक का विभक्ति चिह्न व उदाहरण दो?	22) का / के / की विभक्ति चिह्न है। उदाहरण :- यह गुंजन का हार है।	
23) अधिकरण कारक किसे कहते हैं?	23) संज्ञा या सर्वनाम का जो रूप क्रिया	

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. Class

Subject Time

Topic Date

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	विशेष
	का कार्य सम्पन्न होने के आधार को प्रकट करे उसे अधिकरण कारक कहते हैं। विभक्ति चिह्न 'में' और 'पर' हैं।	
24) अधिकरण कारक का उदाहरण बताओ ?	24) बंदर पेड़ पर बैठा है।	
25) संबोधन कारक किसे कहते हैं?	25) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी को बुलाने या पुकारने का बोध हो, उसे संबोधन कारक कहते हैं।	
26) संबोधन कारक का विभक्ति चिह्न कौन - से होते है?	26) संबोधन कारक का विभक्ति चिह्न - हे, रे, अरे आदि	
27) संबोधन कारक का उदाहरण दो ?	27) अरे! तुम कहां गए थे।	

निरीक्षण तालिका

	घटक	निर्धारित मापनी						
1	उचित माध्यमों का प्रयोग	0	1	2	3	(4)	5	6
2	आगमन निगमन विधि का प्रयोग	0	1	2	3	(4)	5	6
3.	सरल सुगम उदाहरणों का प्रयोग	0	1	2	3	4	(5)	6
4.	उदाहरण देने के लिए उचित माध्यमों का प्रयोग	0	1	2	3	4	5	(6)
5.	सार्थक उदाहरणों का प्रयोग	0	1	2	3	4	(5)	6

Pawan
02/12/16

Scanned with CamScanner

MEGA TEACHING LESSONS

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ...1.........

Pupil Teacher's Roll No. 29 Class 6

Subject हिन्दी Time 40 मिनट

Topic कविता 'मेघा आए बड़े - बन ठन कर' Date 7/1/2/2016

अनुदेशनात्मक सामग्री :-

पाठ्य, डाइग्राम, संकेतन व चाकपट्ट आदि

विशिष्ट सामग्री :-

बादलों का चित्र दिखाते हुए।

सामान्य उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों में काव्य - सौंदर्य परखने की योग्यता का विकास करना।
2. विद्यार्थियों में स्वर प्रवाह तथा भावो के अनुरूप कविता पाठ करने की योग्यता विकसित करना।
3. अपने भावो, विचारो को प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करने के योग्य बनाना।
4. छात्रो की कल्पनाशक्ति को विकसित करना।
5. विद्यार्थियों को कविता का अर्थग्रहण करने व भावानुभूति करने के योग्य बनाना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

कविता पाठ की समाप्ति के बाद विद्यार्थियों में निम्नोक्त अपेक्षित परिवर्तन आ जाएंगे :-

1. विद्यार्थी कविता भावो को समझ पाएंगे।
2. विद्यार्थी कवि विशेष की काव्य शैली से परिचित हो पाएंगे।
3. विद्यार्थी कविता पाठ को प्रभावपूर्ण ढंग से कर पाएंगे।
4. विद्यार्थी कविता में प्रयुक्त काव्य तत्वों को समझ पाएंगे।
5. विद्यार्थी कविता विशेष की समीक्षा कर पाएंगे।
6. विद्यार्थी कविता के संदेश को समझ पाएंगे।

अनुमानित पूर्वज्ञान :- विद्यार्थी कविता पाठ के विषय में सामान्य जानकारी रखते है।

पूर्वज्ञान परीक्षा :- छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित निम्नोलिखित प्रश्न पूछेगी :-

1. हमें पानी कहाँ-2 से मिलता है?
2. बादल के पर्यायवाची शब्द बताओ ?
3. क्या आपने सर्वेश्वरदयाल सक्सेना कवि की कोई कविता पढ़ी है?

उद्देश्य कथन :- छात्राध्यापिका छात्रों से सन्तोषजनक उत्तर न मिलने पर घोषणा करेगी कि " अच्छा बच्चों, आज हम 'मेघ आए' कविता के बारे में अध्ययन करेंगे।"

प्रस्तुतीकरण :- छात्राध्यापिका विषय - वस्तु का विकास छात्रों के सक्रिय सहयोग से करेगी :-

विषय - वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रअनुक्रिया	चाकपट्ट
मेघ आए .... सवंर कर			
व्याख्या :- मेघ आए	आदर्शवाचन :- छात्राध्यापिका	(छात्रा ध्यानपूर्वक सुनेगे)	

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No.......................... Class..........................

Subject.......................... Time..........................

Topic.......................... Date..........................

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रा क्रिया	चाकपट्ट कार्य
कविता के कवि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना जी कहते है कि आज बादल बड़े ही सज-धजकर आए है जिस तरह से घरो मे मेहमान	सर्वप्रथम आदर्श वाचन करेगी। आदर्श वाचन करते समय खड़े होने का ढंग, पुस्तक पकड़ने का ढंग, सुलेख का ध्यान रखा जायेगा।		शब्द - अर्थ
सज-धज कर आए है। वर्षा के आने की प्रसन्नता में हवा चलने लगी है मेहमान के आने की खबर सारे	**अनुकरण वाचन :-** आदर्श वाचन के बाद बच्चो से अनुकरण वाचन करवाया जायेगा।	जिस छात्रा को अनुकरण वाचन करने को कहा जायेगा वह अनुकरण वाचन करेगी।	सँवरना - सजना आगमन - आना मेघ - बादल
गाँव मे सबको मिल गई है। इसी प्रकार से बादलो को देखने के लिए लोग	**अशुद्धि संशोधन :-** अनुकरण वाचन करते समय आई अशुद्धियों को दूर किया जाएगा।	छात्रा इन शब्दों के शुद्ध उच्चारण का प्रयास करेगी।	

Scanned with CamScanner

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	श्यामपट्टकार्य
आँधी भी चलने लगी धूल भी इस प्रकार उड़ने लगी जैसे घाघरा उठ रहा हो। बाँस भी इस प्रकार से देख रहे है। नदी भी इस प्रकार से बादलो को देख रही है जैसे वह सम्मुख प्रकार आश्चर्य से भर उठी हो। जैसे घूँघट सरक रहा हो। बादल इस प्रकार बन-ठन के आए है जैसे कोई मेहमान गाँव मे आया हो।	**पुनः आदर्शवाचन** द्वारा छात्राध्यापिका भाव ग्रहण और पूर्ण रसास्वादन के लिए कविता का पुनः सस्वर वाचन करेगी।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे और मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे।	शब्द - अर्थ बाँकी चितवन - देखना लिए तिरछी नजर ठिठकी - किसी को सम्मुख पाकर आश्चर्य प्रकट करना

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No.. Class...

Subject.. Time..

Topic.. Date...

पुनरावृत्ति :-

छात्राध्यापिका पढ़ाई गई विषय-वस्तु में से निम्नांकित प्रश्न पूछेगी :-

1. 'मेघ आए' कविता के रचयिता कौन है?
2. मेघ, गाँव में किस प्रकार आए है?
3. कौन गाँव में आने वाले मेहमान की भाँति सज - धजकर आए है?

गृहकार्य :-

छात्राध्यापिका सभी छात्रों को निम्नोंकित गृहकार्य देगी:-

सभी छात्र घर से 'मेघ आए' कविता की व्याख्या और शब्दार्थ कापी में लिखकर लाए।

Pathana
07/12/18

Scanned with CamScanner

Lesson No. : 2

Pupil Teacher's Roll No. 29 Class 7th

Subject हिन्दी Time 30 मिनट

Topic पाठ 'क्या निराश हुआ जाए' Date 8/12/2016

अनुदेशनात्मक सामग्री :- चाक, झाड़न, संकेतक व चाकपट्ट आदि

विशिष्ट सामग्री :- विषय से संबंधित चार्ट।

सामान्य उद्देश्य :-

1. छात्रों को शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कराना।
2. छात्रों को मौन वाचन में निपुण बनाना।
3. छात्रों में स्वाध्याय की आदत विकसित करना।
4. छात्रों में सृजनात्मक शक्ति का विकास करना।
5. छात्रों में लिखित व मौखिक रूप से विचारों को व्यक्त करने के योग्य बनाना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :- गद्य पाठ की समाप्ति के पश्चात छात्रों में निम्नोक्त अपेक्षित परिवर्तन आ जाएंगे।

1. छात्र 'क्या निराश हुआ जाए' पाठ का प्रत्यास्मरण कर पाएंगे।
2. छात्र 'क्या निराश हुआ जाए' पाठ का अर्थापन कर पाएंगे।
3. छात्र 'क्या निराश हुआ जाए' पाठ का निष्कर्ष निकाल पाएंगे।
4. छात्र 'क्या निराश हुआ जाए' पाठ का मूल्यांकन कर पाएंगे।

अनुमानित पूर्वज्ञान :- छात्र गद्य के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षा :- छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :-

Scanned with CamScanner

1. हमारे देश में कौन-कौन सी बुराइयाँ फैली हुई ?
2. भ्रष्टाचार का कुप्रभाव किस पर पड़ता है?
3. देश से ईमानदारी खत्म क्यों होती जा रही है?

उद्देश्य कथन :-

छात्राध्यापिका छात्रों से सन्तोषजनक उत्तर न मिलने पर घोषणा करेगी कि "अच्छा बच्चों, आज हम 'क्या निराश हुआ जाए' पाठ के बारे में अध्ययन करेंगे।"

प्रस्तुतीकरण :- छात्राध्यापिका विषय वस्तु का विकास विद्यार्थियों के सक्रिय सहयोग से करेगी :-

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
मेरा मन ------ ------- जाते हैं।			
व्याख्या :- लेखक अपना अनुभव बताते हुए कहता है कि देश की स्थिति पर विचार करते हुए कई बार मेरा मन बहुत उदास हो	आदर्श वाचन : छात्राध्यापिका शुद्ध उच्चारण व विराम चिह्नों को ध्यान में रखते हुए उचित स्वर व भाव के अनुसार गद्यांश का	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
जाता है। आज कल समाचार पत्रों में ठगी, डकैती तस्करी और भ्रष्टाचार के समाचार दिखाई देते हैं। राजनीतिक पार्टियों द्वारा एक-दूसरे पर तरह-2 के आरोपों और बदले में लगाए जाने वाले आरोपों का जो सिलसिला चलता है, उसे देखकर दुःख तो होता ही है, साथ ही मन में प्रश्न भी उठता है कि क्या	वाचन करेगी।		
	अनुकरण वाचन :- आदर्श वाचन के पश्चात् छात्राध्यापिका एक या एक से अधिक छात्रों से अनुकरण वाचन करने के लिए कहेगी।	जिस छात्र को अनुकरण वाचन करने के लिए कहा जाएगा वही करेगा।	शब्द - अर्थ मनवेदना-निरशादन तस्करी - चोरी का व्यापार आरोप - इलजाम
	उच्चारण संशोधन :- छात्राध्यापिका अनुकरण वाचन के समय छात्रों द्वारा की गई अशुद्धियों का संशोधन करेगी।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	

Scanned with CamScanner

विषय वस्तु	ध्याख्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
देश में ईमानदारी का व्यवहार करने वाले लोग रह ही नहीं गए है। आज देश का वातावरण ऐसा है कि किसी भी व्यक्ति पर शक या अविश्वास हो जाना स्वाभाविक है। यहा तक कि ऊँचे पदो पर बैठे लोगों पर भी बड़े-बड़े दोष लग रहे हैं क्योंकि वे अपने ऊँचे पदो का लाभ उठाकर अपने ही बारे में सोचते रहते हैं।	**शब्द व्याख्या :-** ध्याख्यापिका गद्यांश में आये कठिन शब्दों के अर्थ छात्रों के सहयोग से समझाएगी। **बोधपरीक्षा व विचार विश्लेषण :-** गद्यांश मे व्यक्त किए विचारों को स्पष्ट करने के लिए छात्रों से भिन्न प्रश्न पूछेगी तथा विचारों का विश्लेषण करेगी :- 1) आजकल समाचार पत्रों में कौन-2 सी खबरें ज्यादा मिलती है?	छात्र पूछे गए प्रश्नो के उत्तर देंगी 1) ठगी, डकैती भ्रष्टाचार व चोर आदि	शब्द - अर्थ प्रत्यारोप - बदले मे लगाया गया इल्जाम वातावरण - माहौल

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

शिक्षण-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्टकार्य
जो व्यक्ति जितने ऊँचे पद पर होता है उसमें	2) देश मे कैसे लोग रह गए है?	2) ईमानदारी।	
उतने ही अधिक दोष होते हैं और समाचार पत्रों	3) इस गद्यांश मे 'दृष्टि' का अर्थ क्या है?	3) नजर	शब्द - अर्थ संदेह - शक
मे ऊँचे पदों वाले व्यक्ति के दोषो को बहुत ज्यादा प्रका-शित किया जाता है सामान्य से लेकर उच्च अधिकारियों तक के सभी व्यक्ति संदेह के घेरे मे हैं।	4) इस गद्यांश में 'दोष' का क्या अर्थ है? मौन वचन !- छात्रा-ध्यापिका छात्रों को मौन वचन करने के लिए कहेगी ताकि छात्र गद्यांश के अर्थ व भाव को समझ सके।	4) अवगुण।	दृष्टि - नजर दोष - अवगुण

Scanned with CamScanner

पुनरावृति :-

छात्राध्यापिका पढ़ाए गए गद्यांश में से निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :-

1 'क्या निराश हुआ जाए' पाठ के लेखक का नाम बताएँ ?

2. आज देश में कैसा वातावरण बन गया है?

3. आज भारतवर्ष में कैसी स्थिति देखने को मिलती है ?

गृहकार्य :-

छात्राध्यापिका सभी छात्रों को निम्नोक्त गृहकार्य देगी :-

सभी छात्र घर से आज पढ़ाए गद्यांश की व्याख्या याद करके और कॉपी में लिखकर लानी है।

Pawan
08/12/16

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ....3.......

Pupil Teacher's Roll No. ....21.... Class ....8th....

Subject ....हिन्दी.... Time ....30 मिनट....

Topic ....निबंध 'भारत की राजधानी व दर्शनीय स्थल'.... Date ....10/12/2016....

अनुदेशनात्मक सामग्री :-

चाक, झाड़न, चाकपट्ट व संकेतक आदि।

विशिष्ट सामग्री :-

विषय से संबंधित चार्ट।

सामान्य उद्देश्य :-

1. छात्रों को सुन्दर और स्पष्ट लेख लिखने के योग्य बनाना।
2. छात्रों को व्याकरण सबंधी भाषा का प्रयोग करने के योग्य बनाना।
3. छात्रों की मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति में स्पष्टता व शुद्धता लाना।
4. छात्रों को लेखन की विभिन्न शैलियों से परिचित कराना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

1. छात्र 'भारत की राजधानी व दर्शनीय स्थल' निबंध का प्रत्यास्मरण कर पाएंगे।
2. छात्र 'भारत की राजधानी व दर्शनीय स्थल' के विषय में तर्क दे पाएंगे।
3. छात्र निबंध की समीक्षा कर पाएंगे।
4. छात्र निबंध का सार बता पाएंगे।

अनुमानित पूर्व ज्ञान :-

छात्र 'भारत की राजधानी व दर्शनीय स्थल' के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षा :-

छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित निम्न प्रश्न पूछेगी :-

1. आपने कहाँ - 2 की यात्रा की है?
2. कुछ ऐतिहासिक स्थलों के नाम बताओ ?
3. क्या आपने दिल्ली की यात्रा की है?
4. दिल्ली में स्थित दर्शनीय स्थलों के नाम बताओ?

उद्देश्य कथन !-

छात्राध्यापिका छात्रों से सन्तोषजनक उत्तर न मिलने पर घोषणा करेगी कि "अच्छा बच्चो, आज हम 'भारत की राजधानी व दर्शनीय स्थल' के विषय में अध्ययन करेंगे।"

प्रस्तुतीकरण :-

छात्राध्यापिका विषय-वस्तु का अध्ययन छात्रों के सक्रिय सहयोग से करेगी!-

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट
निबंध !- भारत की राजधानी व दर्शनीय स्थल			
ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा छात्रों के लिए बड़ी लाभकारी होती है। ऐसी यात्राओं द्वारा हम अपने	छात्राध्यापिका छात्रों से निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी !- 1) ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा विद्यार्थियों के लिए	छात्र पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे!- 1) क्योंकि ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा	

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

शिक्षण - वस्तु	अध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्टकार्य
इतिहास को सही दृष्टि से देखते है, अपनी शक्ति और निर्बलता को पहचानते है। भारत एक प्राचीन देश है। इसकी संस्कृति पुरानी है। दिल्ली भारत की राजधानी है। इसे भारत का 'दिल' भी कहते है। यमुना के किनारे बसा यह नगर दो भागों मे बटा है- पुरानी दिल्ली तथा नई दिल्ली	क्यों लाभप्रद है?	इतिहास की सच्ची जानकारी मिलती है।	
	2) भारत की राजधानी का नाम बताओ?	2) भारत की राजधानी का नाम दिल्ली है।	
	3) दिल्ली को किस देश का 'दिल' कहा जाता है।	3) दिल्ली को भारत का 'दिल' कहा जाता है।	भारत का दिल - दिल्ली
	4) दिल्ली किस नदी के किनारे बसी हुई है?	4) दिल्ली यमुना नदी के किनारे बसी हुई है।	दिल्ली बसा हुआ है - यमुना किनारे
	5) दिल्ली कितने कितने भागो में बंटी हुई है?	5) दिल्ली ~~का~~ दो भागों में बंटी हुई है।	
	6) दोनो भागों के नाम बताओ?	6) पुरानी दिल्ली और नई दिल्ली।	

Scanned with CamScanner

विषय - वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकबोर्ड कार्य
देश की राजधानी होने के कारण देश के सभी भागों से रेलगाड़ियाँ	7) इतिहास की दृष्टि से दिल्ली का क्या महत्त्व है?	7) क्योंकि यहाँ पर अनेक ऐतिहासिक स्थल हैं।	
बसें, विमान आदि यहाँ पहुंचते हैं। लाल किला लाल पत्थर से बना है।	8) लाल किला कैसे पत्थर से बना है?	8) लाल किला लाल पत्थर से बना है।	लाल किला लाल पत्थर से बना है
लाल किला शाहजहाँ ने बनवाया था। यह लाल किला	9) लाल किला किसने बनवाया था?	9) लाल किला शाहजहाँ ने बनवाया था।	किला बनवाया शाहजहां ने
मुगल वंश के इतिहास के साथ तो जुड़ा ही है, स्वतंत्र भारत के लिए भी इसका	10) लाल किला किस वंश के इतिहास के साथ जुड़ा है।	10) लाल किला मुगल वंश के इतिहास के साथ जुड़ा है।	
महत्त्व कम नहीं है। यहाँ पर सुभाष चन्द्र बोस ने राष्ट्र ध्वज फहराने का संकल्प किया था, और अब हर वर्ष स्वतन्त्रता दिवस	11) लाल किले पर राष्ट्र ध्वज फहराने का संकल्प किसने किया था?	11) लाल किले पर राष्ट्र ध्वज फहराने का संकल्प सुभाष चन्द्र बोस ने किया था।	राष्ट्र ध्वज फहराया जाता है।- लाल किले पर

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्टकार्य
को प्रधानमंत्री तिरंगा झंडा फहरा कर वहीं से राष्ट्र के नाम अपने संदेश प्रसारित करते है।	(2) लाल किले पर झंडा गणतन्त्र दिवस के दिन कौन फहराता है?	(2) लाल किले पर झंडा गणतंत्र दिवस के दिन प्रधानमंत्री फहराता है।	राष्ट्र झंडा फहराया जाता है- लाल किले पर
कुतुबमीनार कुतुबद्दीन ऐबक द्वारा निर्मित करवायी गई थी।	(3) कुतुबमीनार कहाँ पर स्थित है?	(3) कुतुबमीनार दिल्ली मे स्थित है।	
बिरला मंदिर दिल्ली में स्थित है।	(4) कुतुबमीनार किसने बनवाई थी?	(4) कुतुबमीनार कुतुबद्दीन ऐबक ने बनवाई थी।	कुतुबमीनार- कुतुबद्दीन ऐबक ने बनवाई।
बिरला मंदिर को सभी सम्प्रदायों के देवताओं और महापुरुषो से संबंधित करके राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बनाने की	(5) दिल्ली मे प्रसिद्ध मंदिर का नाम बताओं?	(5) दिल्ली में प्रसिद्ध बिरला मंदिर है।	राष्ट्रीय एकता का प्रतीक - बिरला मंदिर
	(6) बिरला मंदिर किसका प्रतीक है?	बिरला मंदिर राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है।	

Scanned with CamScanner

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
कोशिश की गई है। राष्ट्रपति भवन के मुगल - बाग केवल फरवरी	17) राष्ट्रपति भवन मे कौन - सा बाग स्थित है?	17) राष्ट्रपति भवन मे मुगल बाग स्थित है।	राष्ट्रपति भवन मे मुगल बाग स्थित है।
मास मे ही खोला जाता है, असंख्य फूलो से भरे उपवन	18) मुगल बाग कौन - से मास मे खोला जाता है?	मुगल बाग फरवरी मास मे खोला जाता है।	मुगल बाग खुलता है - फरवरी मास में।
मुगल - बाग मे है। दिल्ली मे स्थित राजघाट में महात्मा गांधी	19) मुगल बाग मे कैसा उपवन है?	19) मुगल बाग मे असंख्य फूलो से भरा उपवन है।	
जी की समाधि है। और शांति	20) राजघाट क्या है?	20) राजघाट एक प्रसिद्ध स्थान है।	महात्मा गांधी की समाधि राजघाट में।
वन में पंडित जवाहरलाल नेहरू की समाधि है। तथा लाल	21) राजघाट में किसकी समाधि है?	21) राजघाट में महात्मा गांधी की समाधि है।	
बहादुर शास्त्री की समाधि दिल्ली मे	22) शांति वन कहां पर है?	22) शांति वन दिल्ली में है।	

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No.................................... Class...

Subject.. Time...

Topic.. Date...

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्टकार्य
स्थित विजय घाट में है। दिल्ली में अनेक देखने योग्य स्थान हैं। दिल्ली की यात्रा करना बहुत ही लाभकारी है।	23) शांति वन में किसकी समाधि है?	23) शांति वन में पंडित जवाहर लाल नेहरू जी कि समाधि है।	पंडित जवाहर लाल नेहरू की समाधि - शांति वन में।
	24) लाल बहादुर शास्त्री जी की समाधि कहाँ पर है।	24) लाल बहादुर शास्त्री जी की समाधि विजय घाट में है।	विजय घाट में समाधि - श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की।
यहाँ पर हमें इतिहास की सच्ची जानकारी प्राप्त होती है।	25) दिल्ली में क्या देखने योग्य स्थान है?	25) हाँ, दिल्ली में देखने योग्य स्थान हैं।	
दिल्ली भारत का ही नहीं विश्व का	26) विश्व का प्रमुख शहर कौन-सा है?	26) विश्व का प्रमुख शहर दिल्ली है।	विश्व का प्रमुख शहर - दिल्ली।
एक प्रमुख शहर है। यहाँ अनेक दर्शनीय स्थान हैं।	27) दिल्ली क्यों प्रसिद्ध है?	27) क्योंकि यहाँ पर अनेकों सुविधाएँ उपलब्ध हैं।	

पुनरावृत्ति :-
छात्राध्यापिका पढ़ाए गए निबंध में से निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :-
1. कुतुबमीनार किसने बनवाई ?
2. दिल्ली में स्थित बिरला मंदिर क्यों प्रसिद्ध है?
3. दिल्ली के दर्शनीय स्थलों के नाम बताओ ?
4. ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा क्यों लाभप्रद होती है ?

गृहकार्य :-
छात्राध्यापिका सभी छात्रों को निम्नोक्त गृहकार्य देगी :-

सभी छात्रों को 'भारत की राजधानी व दर्शनीय स्थल' निबंध लिखकर व याद करके लाना है।

Pawan
09/12/18

Lesson No. : ....5........

Pupil Teacher's Roll No. 29 Class 6th

Subject हिन्दी Time 20 मिनट

Topic सर्वनाम व उसके भेद Date 13/12/2016

अनुदेशनात्मक सामग्री :-

चॉक, डस्टर, संकेतक व चार्टपेपर आदि।

विशिष्ट सामग्री :-

विषय - वस्तु सम्बंधी चार्ट।

सामान्य उद्देश्य :-

1. छात्रों को शब्दयोजना तथा वर्तनी का ज्ञान कराना,
2. छात्रों को वाक्य रचना के नियम तथा विराम चिह्नों का शुद्ध प्रयोग का ज्ञान कराना।
3. छात्रों को मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति करने के योग्य बनाना।
4. छात्रों की चिन्तन शक्ति का विकास करना।
5. छात्रों को भाषा के गुण दोषों की परख करने के योग्य बनाना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

विषय - वस्तु की समाप्ति के पश्चात छात्रों के व्यवहार में निम्नोक्त परिवर्तन आ जाएंगे।

1. छात्र 'सर्वनाम व उसके भेदों' का प्रत्यास्मरण कर पाएंगे।
2. छात्र 'सर्वनाम व उसके भेदों' के उदाहरण दे पाएंगे।
3. छात्र 'सर्वनाम व उसके भेदों' का वर्गीकरण कर पाएंगे।
4. छात्र 'सर्वनाम व उसके भेदों' में तुलना कर पाएंगे।
5. प्राप्त ज्ञान को छात्र दैनिक जीवन में प्रयोग कर पाएंगे।

अनुमानित पूर्वज्ञान :-

छात्र 'सर्वनाम' के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

Scanned with CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षा :-

छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :-

1. मेरा नाम मुस्कान है, इस वाक्य में संज्ञा शब्द कौन-सा है?
2. संज्ञा किसे कहते है?
3. संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को क्या कहते है?

उद्देश्य कथन :-

छात्राध्यापिका छात्रों से सन्तोषजनक उत्तर न मिलने पर घोषणा करेगी कि " अच्छा बच्चों, आज हम 'सर्वनाम व उसके भेद' के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

छात्राध्यापिका विषय - वस्तु का अध्ययन आगमन और निगमन विधि से करेगी :-

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
सर्वनाम :-	संज्ञा के स्थान पर जिस शब्द का प्रयोग किया जाता है, उसे सर्वनाम कहते है। **जैसे :-** यह, वह तू, तुम, हम, आप, कुछ आदि।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे।	जैसे :- यह, वह तुम, तू, हम आप आदि

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
सर्वनाम के भेद !-	सर्वनाम के छः भेद है !- 1. पुरुषवाचक सर्वनाम 2. निश्चयवाचक सर्वनाम 3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम 4. संबंधवाचक सर्वनाम 5. प्रश्नवाचक सर्वनाम 6. निजवाचक सर्वनाम	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व प्रश्न शिक्षकों को देखेंगे	सर्वनाम के छः भेद होते है।
पुरुषवाचक सर्वनाम !-	जो सर्वनाम किसी कहने वाले, सुनने वाले या अन्य पुरुष का बोध कराएँ, उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते है। उदाहरण !- कल मैं जयपुर जाऊँगा।		पुरुषवाचक सर्वनाम का उदाहरण :- कल मैं जयपुर जाऊँगा।
निश्चयवाचक सर्वनाम !-	जो सर्वनाम शब्द किसी वस्तु या		

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	वाक्य स्थल
	स्थान के बारे में निश्चय पूर्वक ज्ञान कराए, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते है। जैसे :- यह, वो, ये, वह आदि।		निश्चयवाचक सर्वनाम की पहचान - यह, वो, ये, वह आदि।
	विकासात्मक प्रश्न :- छात्राध्यापिका छात्रों से प्रश्न पूछेगी :-	छात्र पूछे गए प्रश्नो के उत्तर देंगे	
	1) निश्चयवाचक सर्वनाम का उदाहरण बताओ?	1) मेरा गाड़ी वह है।	
	2) कोई गा रहा है, यह निश्चयवाचक सर्वनाम का उदाहरण है?	2) नहीं, क्योंकि निश्चित वस्तु का बोध नहीं है।	अनिश्चय वाचक सर्व- जैसा:- कोई रहा है।
अनिश्चयवाचक सर्वनाम :-	जो किसी व्यक्ति या वस्तु का निश्चयपूर्वक ज्ञान नहीं कराते, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते है। कोई, कुछ		
संबंध वाचक सर्वनाम	जो सर्वनाम शब्द दो वाक्यों या शब्दों को परस्पर जोड़ते हो, उन्हें संबंध वाचक सर्वनाम कहते है।		

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. ______ Class ______

Subject ______ Time ______

Topic ______ Date ______

विषय वस्तु	अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	जैसे :- 'जैसा तैसा', 'जो वह' आदि उदाहरण :- जैसा करोगी वैसा भरोगी।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिन्दुओं को लिखेंगे	सम्बन्धवाचक के उदाहरण :- जो दौड़ेगी वह गाड़ी पकड़ लेगी।
प्रश्नवाचक सर्वनाम :-	जो सर्वनाम किसी वस्तु का ज्ञान करवाते समय प्रश्न का बोध कराते है, वे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाते है। जैसे :- कौन, क्या, कब आदि।		प्रश्नवाचक सर्वनाम → कौन गा रही है।
निजवाचक सर्वनाम :-	जो सर्वनाम कर्ता के साथ अपनेपन का भाव प्रकट करते है, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते है। जैसे :- अपना, आप स्वयं आदि।		निश्चयवाचक सर्वनाम :- मैं अपना काम आप कर लूँगी।

__पुनरावृत्ति__ :-
छात्राध्यापिका छात्रों को पढ़ाई गई विषय -वस्तु में से निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :-

1 सर्वनाम किसे कहते है?
2. सर्वनाम के छः भेदो के नाम बताओ?
3. निश्चयवाचक और अनिश्चयवाचक सर्वनाम की परिभाषा बताओ?
4 प्रश्नवाचक सर्वनाम का उदाहरण दो?

__गृहकार्य__ :-
छात्राध्यापिका सभी छात्रों को निम्नोक्त गृहकार्य देगी :-

सभी छात्र सर्वनाम व उसके भेदों की परिभाषा व उदाहरण कॉपी में लिखकर व याद करके लानी है।

Parveen
[illegible]

Lesson No. : ....5.........

Pupil Teacher's Roll No. 29 Class 8th

Subject हिन्दी Time 30 मिनट

Topic विशेषण व उसके भेद Date 14.12.2016

अनुदेशनात्मक सामग्री :-

चॉक, डस्टर, संकेतक व चाकपट्ट आदि ।

विशिष्ट सामग्री :-

विषय - वस्तु संबंधी चार्ट ।

सामान्य उद्देश्य :-

1. छात्रों को शब्द योजना तथा वर्तनी का ज्ञान कराना ।
2. छात्रों को वाक्य रचना के नियम तथा विराम चिह्नों का शुद्ध प्रयोग का ज्ञान कराना ।
3. छात्रों को मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति करने के योग्य बनाना
4. छात्रों की चिन्तन शक्ति का विकास करना ।
5. छात्रों को भाषा के गुण - दोषों की परख करने के योग्य बनाना ।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

विषय - वस्तु की समाप्ति के पश्चात छात्रों के व्यवहार में निम्नोक्त परिवर्तन आ जाएंगे :-

1. छात्र 'विशेषण व उसके भेदों' का प्रत्यास्मरण कर पाएंगे ।
2. छात्र 'विशेषण व उसके भेदों' के उदाहरण दे पाएंगे ।
3. छात्र 'विशेषण व उसके भेदों' का वर्गीकरण कर पाएंगे ।
4. छात्र 'विशेषण व उसके भेदों' में तुलना कर पाएंगे ।
5. प्राप्त ज्ञान को दैनिक जीवन में प्रयोग कर पाएंगे ।

अनुमानित पूर्वज्ञान :-

छात्र 'विशेषण' के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं ।

Scanned with CamScanner

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न:- छात्राध्यापिका छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछेगी:-	छात्र पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे:-	
	1) गुणवाचक विशेषण का उदाहरण दो?	1) प्रीति सुंदर लड़की है।	
	2) परिमाण वाचक विशेषण का उदाहरण दो?	2) दो लिटर दूध।	
	3) चार आम, छः केले वाक्यों में संख्या शब्द कौन-2 से है?	3) चार और छः संख्या शब्द है।	
	4) जतिन अच्छा लड़का है, यह वाक्य कौन-से विशेषण का उदाहरण है?	4) गुणवाचक विशेषण	
	5) सात गाय, दस रुपये, इन वाक्यों में संख्या शब्द कौन-2 से है?	5) सात और दस, संख्या शब्द है।	

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No.................................... Class..

Subject.. Time...

Topic.. Date...

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
संख्यावाचक विशेषण :-	जिन शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध हो, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। जैसे :- चार आम	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिन्दुओं को लिखेंगे।	संख्यावाचक विशेषण - सौ लड्डू।
संकेतवाचक विशेषण :-	जो सर्वनाम शब्द किसी संज्ञा से पहले आकर उस संज्ञा की ओर संकेत करते हैं उन्हें संकेतवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे :- यह गाय काली है।		संकेतवाचक विशेषण का उदाहरण - उस लड़के का लेख अच्छा है।
प्रश्नवाचक विशेषण :-	जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम के प्रति प्रश्न का बोध कराएँ, उन्हें प्रश्नवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे :- क्या खा रहे हो। कौन द्वार खटपटा रहा है।		प्रश्नवाचक विशेषण का उदाहरण :- क्या गा रहे हो।

पुनरावृत्ति :-

छात्राध्यापिका पढ़ाई गई विषय - वस्तु में से छात्रों से निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :-

1. विशेषण किसे कहते है ?
2. गुणवाचक विशेषण का उदाहरण दो ?
3. संख्यावाचक विशेषण किसे कहते है ?
4. परिमाणवाचक विशेषण और प्रश्नवाचक विशेषण के दो - दो उदाहरण बताओ ?

गृहकार्य :-

छात्राध्यापिका छात्रों को निम्नोक्त गृहकार्य देगी :-

सभी छात्र विशेषण व उसके भेदों की परिभाषा उदाहरण सहित कॉपी में लिखकर और याद करके लाने है।

Pawan
13/12/16

DISCUSSION LESSON

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ....1........

Pupil Teacher's Roll No. 29 Class 6th D

Subject हिन्दी Time 40 मिनट

Topic हमारे राष्ट्रीय प्रतीक Date 15 | 5 | 2017

अनुदेशनात्मक सामग्री :-

चॉक, डस्टर, संकेतक व चाकपट्ट।

विशिष्ट सामग्री :-

विषय-वस्तु को दर्शाता हुआ चार्ट।

सामान्य उद्देश्य :-

छात्रों में राष्ट्रीय चिह्नों के प्रति आदर की भावना का विकास करना।

छात्रों में राष्ट्रीय भावना का विकास करना।

छात्रों में सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना का विकास करना।

छात्रों में राष्ट्र की भावना का विकास करना।

छात्रों की चिन्तन शक्ति का विकास करना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

विषय-वस्तु की समाप्ति के बाद छात्रों के व्यवहार में निम्नोक्त उचित परिवर्तन आ जायेंगे :-

छात्रों को राष्ट्रीय प्रतीकों के बारे में ज्ञान हो जायेगा।

छात्र राष्ट्रीय प्रतीकों के बारे में खुलकर चर्चा कर पायेंगे।

छात्र राष्ट्रीय प्रतीकों की पहचान कर पायेंगे।

छात्र राष्ट्रीय चिह्नों का प्रत्यास्मरण कर पायेंगे।

छात्र प्राप्त ज्ञान को अपने व्यावहारिक जीवन में प्रयोग कर पायेंगे।

Scanned with CamScanner

अनुमानित पूर्वज्ञान :- छात्र विषय - वस्तु के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षा :- छात्राध्यापिका छात्रों से सामान्य ज्ञान पर आधारित निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी !-

1. हम किस देश के निवासी है?
2. हमारा देश कब आजाद हुआ?
3. हमारे राष्ट्रीय प्रतीक कौन - २ से है?

उद्देश्य कथन !- छात्रों से सन्तोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका उपविषय की घोषणा करेगी कि " अच्छा बच्चों, आज हम 'राष्ट्रीय प्रतीकों' के बारे मे 'अध्ययन करेंगे।"

प्रस्तुतीकरण !- छात्राध्यापिका विषय - वस्तु का विकास छात्रों के सक्रिय सहयोग से करेगी। विषय - वस्तु की रोचकता बढ़ाने के लिए छात्राध्यापि चार्ट या मॉडल का प्रयोग भी करेगी :-

विषय - वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रअनुक्रिया	श्यामपट्टकार्य
	(छात्राध्यापिका विषय-	(छात्र ध्यानपूर्वक	

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्टकार्य
	वस्तु की पूर्णरूपेण व्याख्या करेगी।	सुनेंगे व मुख्य बिन्दुओं को लिखेंगे	
<u>राष्ट्रीय ध्वज</u> :-	हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा है। इसे २२ जुलाई १९४७ को अपनाया गया। इसकी लम्बाई और चौड़ाई मे 3:2 का अनुपात है। हमारे झण्डे मे तीन रंग है। ऊपर की पट्टी गहरे 'केसरिया' रंग की है और जो कि बलिदान का प्रतीक है। यह रंग स्वतंत्रता के संघर्ष में अपना जीवन न्योछावर करने वाले शहीदों के बलिदान और देशभक्ति की याद दिलाता है। बीच की पट्टी शुद्ध 'श्वेत' है। यह सत्य		राष्ट्रीय ध्वज - तिरंगा। तिरंगे में तीन रंग होते है :- 1. केसरिया 2. सफेद 3. हरा।

Scanned with CamScanner

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	श्यामपट्टकार्य
	और शांति का प्रतीक है। सबसे नीचे की पट्टी गहरे हरे रंग की है हरा रंग खुशहाली और हरियाली का प्रतीक है। सफेद पट्टी के बीच में जो चक्कर दिखाई देता है उसे अशोक चक्र कहते है। इस चक्र में 24 तिलियाँ होती है। ये तिलियां गहरे नीले रंग की होती है। यह चक्र देश की निरन्तर गतिशीलता का प्रतीक है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिन्दुओं को लिखेंगे	सफेद पट्टी सत्य व शांति का प्रतीक अशोक चक्र -24 तिलियाँ
	विकासात्मक प्रश्न :-		
	1) हमारे राष्ट्रीय ध्वज को क्या कहते है?	1) तिरंगा	

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

विषय - वस्तु	छात्र ध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	2) राष्ट्रीय ध्वज मे कितने रंग होते है ?	2) तीन।	
	3) राष्ट्रीय ध्वज मे बीच का रंग कैसा है ?	3) सफेद रंग।	
	4) राष्ट्रीय ध्वज मे हरा रंग किसका प्रतीक है ?	4) खुशहाली व हरियाली का प्रतीक है।	
	5) ~~केसरिया रंग किसका प्रतीक है ?~~	5) बलिदान का।	
	6) राष्ट्रीय ध्वज मे सफेद रंग के बीच मे जो चक्र है उसे ~~क्या~~ कहते है ?	6) अशोक चक्र।	
	7) अशोक चक्र मे कितनी ~~तीली~~ तिलियां होती है ?	7) 24 तिलियां।	

Scanned with CamScanner

विषयवस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
राष्ट्रीय पक्षी :-	भारत का राष्ट्रीय पक्षी मोर है। पक्षियो मे मोर की प्रशंसा उसकी लम्बी चमकदार गर्दन और पंखो की कलगी के लिए की जाती है। इस पक्षी का भारतीय कथाओ मे महत्वपूर्ण स्थान है। यह पक्षी अत्यन्त सुन्दर और आकर्षक होता है। इसकी गर्दन का रंग गहरा नीला है। वह चमकीला भी होता है।	छात्रा ध्यानपूर्वक सुनेंगी व मुख्यबिंदुओं को लिखेगी।	राष्ट्रीय पक्षी मोर

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No.. Class...

Subject.. Time...

Topic.. Date...

पुनरावृत्ति :-

विषय - वस्तु की समाप्ति के बाद छात्राध्यापिका छात्रों से निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :-

हमारे राष्ट्रीय ध्वज का नाम बताओ ?

हमारे राष्ट्रीय ध्वज मे कितने रंग होते हैं ?

हमारा राष्ट्रीय पक्षी कौन - सा है ?

गृहकार्य :-

विषय - वस्तु की समाप्ति के बाद छात्राध्यापिका छात्रों को निम्नोक्त गृहकार्य देगी :-

सभी छात्र घर से राष्ट्रीय प्रतीकों के बारे मे लिखकर व याद करके आएगे।

P. K. Testing was good. Topic was announced at proper time. Teaching Aids was used properly. B. B. work was good. Home work was given at proper time.

Palwan
25/5/17

Lesson No. : ....1........

Pupil Teacher's Roll No. 39

Subject: हिन्दी

Class: 6th B

Topic: समास व उसके भेद

Time: 40 मिनट

Date: 13/11/2016

अनुदेशनात्मक सामग्री :-

चाक, डस्टर, संकेतक, चार्ट पेपर

सामान्य उद्देश्य :-

1. छात्रों की सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
2. छात्रों में व्याकरण के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
3. छात्रों के शब्द भण्डार में वृद्धि करना।
4. छात्रों का बौद्धिक व मानसिक विकास करना।
5. छात्रों की चिन्तन शक्ति का विकास करना।
6. छात्रों को मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति करने के योग्य बनाना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

विषय-वस्तु की समाप्ति के पश्चात् छात्रों के व्यवहार में निम्नोक्त परिवर्तन आ जाएंगे :-

1. छात्र 'समास व उसके भेदों' का प्रत्यास्मरण कर पाएंगे।
2. छात्र 'समास व उसके भेदों' के उदाहरण दे पाएंगे।
3. छात्र 'समास व उसके भेदों' का वर्गीकरण कर पाएंगे।
4. छात्र 'समास व उसके भेदों' में तुलना कर पाएंगे।
5. प्राप्त ज्ञान को दैनिक जीवन में प्रयोग कर पाएंगे।

अनुमानित पूर्वज्ञान :-

छात्र 'समास' के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षा :-

छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्वज्ञान पर

आधारित निम्नांकित प्रश्न पूछेगी :-

1. 'पाठ तथा शाला' शब्दों को जोड़ने से नया शब्द क्या बनेगा ?
2. दो शब्दों को जोड़ने पर जो नया शब्द बनता है, उसे क्या कहते है ?
3. समास किसे कहते है ?

उद्देश्य कथन :-

छात्रों से सन्तोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका घोषणा करेगी कि " अच्छा बच्चों, आज हम 'समास और उसके भेदो' के विषय में अध्ययन करेंगे । "

प्रस्तुतीकरण :-

छात्राध्यापिका विषय - वस्तु का अध्ययन आगमन व निगमन विधि और छात्रों के सक्रिय सहयोग से करेगी :-

पाठ्य सामग्री	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रअनुक्रिया	श्यामपट्टकार्य
	छात्राध्यापिका विषय -वस्तु की पूर्ण रूपरेखा तैयार करेगी ।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे ।	
समास :-	आपस में संबंध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्द जब कोई नया शब्द बनाते है तो उस मेल को समास कहते है । इसमें		

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class. ....

Subject. .... Time. ....

Topic. .... Date. ....

पाठ्य-सामग्री	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
१	विभक्ति प्रत्यय का लोप हो जाता है, जैसे :- देवमंदिर में देव तथा मंदिर के बीच परस्पर संबंध बताने वाली विभक्ति का लोप हो गया है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिन्दुओं को लिखेंगे।	
विग्रह :-	समस्त पदों में विभक्ति चिह्नों को जोड़कर उन्हें अलग करने की क्रिया विग्रह कहलाती है। जैसे :- यथाशक्ति = शक्ति के अनुसार।		जैसे :- यथा शक्ति।
समास के भेद :-	समास के छः भेद हैं :- 1 अव्ययीभाव समास 2. तत्पुरुष समास 3. कर्मधारय समास 4. द्विगु समास 5. द्वन्द्व समास 6. बहुव्रीहि समास।		

पाठ्य सामग्री	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	श्यामपट्टकार्य
1) अव्ययीभाव समास :-	जिस समास मे पहला पद प्रधान हो और समस्त पद अव्यय का काम करें, उसे अव्ययीभाव समास कहते है। जैसे :- प्रत्येक, निडर।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व प्रमुख बिंदुओं को लिखेंगे।	जैसे :- प्रत्येक, निडर।
2) तत्पुरुष समास :-	जिस समास में दूसरा पद प्रधान हो और दोनों पदो के बीच प्रथम (कर्ता) तथा अंतिम (संबोधन) कारक के अतिरिक्त हो, उसे तत्पुरुष समास कहते है। जैसे :-		जैसे :-
3) कर्मधारय समास :-	जिस समास के दोनो पदो के बीच विशेष्य - विशेषण या उपमेय - उपमान का संबंध हो और दोनो पदों मे एक ही कारक की		

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No.......................

Subject.......................... Class..........................

Topic.......................... Time..........................

Date..........................

पाठ्य सामग्री	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	विशेषित होंगे, उसे कर्मधारय समास कहते हैं। जैसे :- नीलकमल, नीलकंठ।		जैसे :- नील कमल, नील कंठ
4) द्विगु समास :-	जिस समास में पहला पद संख्यावाचक हो और समस्त पद समूह का ज्ञान कराए, उसे द्विगु समास कहते हैं। जैसे :- शताब्दी - सौ वर्षों का समूह।	छात्र ध्यानपूर्वक अध्यापिका की बातों को सुनेंगी व लिखेंगी	जैसे :- शताब्दी - सौ वर्षों का समूह।
5) द्वंद्व समास :-	जिस समस्त पद मे दोनो पद प्रधान हो, तथा विग्रह करने पर दोनो पदों के बीच 'और', 'तथा', 'अथवा' आदि योजक शब्द लगे, उसे द्वन्द्व समास कहते है। जैसे :- माता - पिता - माता और पिता।		
6) बहुव्रीहि समास :-	जिस समास का कोई भी पद प्रधान नहीं होता और दोनों मिलकर		

पाठ्य-सामग्री	छात्राध्यापिका	छात्रानुक्रिया	चाक्यादरकार्य
	किसी अन्य शब्द की विशेषता बताते है, उसे बहुव्रीहि समास कहते है। श्वेताबंर- श्वेत है अबंर जिसके अर्थात सरस्वती		जैसे :- श्वेता-बरं → श्वेत (सफेद) है अबार (वस्त्र) जिसके अर्थात सरस्वती।

पुनरावृति :-

विषय - वस्तु की समाप्ति के बाद छात्राध्यापिका छात्रो से निम्नोवंत प्रश्न पूछेगी :-

1 समास के कितने भेद है ?
2. तत्पुरुष समास के उदाहरण दो ?
3. द्वन्द समास किसे कहते है ?

गृहकार्य :-

छात्राध्यापिका छात्रों को निम्नोवत गृहकार्य देगी :-

सभी छात्र समास व उसके भेदो को उदाहरण सहित कापी मे लिखकर और याद करके लानी है।

Pawan
19/12/16

Lesson No. : 2

Pupil Teacher's Roll No. 29 Class 6th D

Subject हिन्दी Time 30 मिनट

Topic कबीर की साखियाँ Date 20/11/2016

अनुदेशनात्मक सामग्री :-

चॉक, डस्टर, संकेतक व श्यामपट्ट।

विशिष्ट सामग्री :-

विषय-वस्तु संबंधी चार्ट।

सामान्य उद्देश्य :-

1. छात्रों के ज्ञान में वृद्धि करना।
2. छात्रों की कविता पढ़ने में रुचि उत्पन्न करना।
3. छात्रों के शब्द भण्डार में वृद्धि करना।
4. छात्रों को साखियों का अर्थ समझाना।
5. छात्रों की कल्पनाशक्ति को विकसित करना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

विषय-वस्तु की समाप्ति के बाद छात्रों में निम्नोक्त अपेक्षित परिवर्तन आ जाएंगे :-

1. छात्र कबीर की साखियों को कण्ठस्थ कर पाएंगे।
2. छात्र कठिन शब्दों का अर्थ बताने में सक्षम होंगे।
3. छात्र साखियों के भावों को समझ पाएंगे।
4. छात्र साखियों को प्रभावपूर्ण ढंग से कर पाएंगे।
5. छात्र साखियों के भाव को समझ जाएंगे।

अनुमानित पूर्वज्ञान :-

विद्यार्थी, कबीर की साखियों के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षा :-

छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्वज्ञान पर

आधारित निम्नलिखित प्रश्न पूछेगी :-

1. किन्हीं निर्गुण भक्त कवियों के नाम बताओ ?
2. आपने किसी भक्त कवि की साखियाँ पढ़ी हैं ?
3. कबीरदास लिखित कोई एक साखी सुनाओ ?

<u>उद्देश्य कथन</u> :-

छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका घोषणा करेगी कि "प्यारे बच्चो, आज हम 'कबीरदास की साखियों' के बारे में अध्ययन करेंगे।"

<u>प्रस्तुतीकरण</u> :-

विषय-वस्तु का विकास छात्राध्यापिका छात्रों के सक्रिय सहयोग से करेगी :-

	पाठ्य सामग्री	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	श्यामपट्टकार्य
1	जाति न पूछो ---- ----- दो म्यान		(छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे।	
	व्याख्या :- इस साखी में कबीर जी कहते है कि साधु (सज्जन) व्यक्ति की जाति नहीं पूछनी चाहिए यदि पूछना है तो उसके ज्ञान के	आदर्शवाचन :- छात्राध्यापिका सर्वप्रथम आदर्श वाचन करेगी। आदर्श वाचन करते समय खड़े होने का ढंग, पुस्तक पकड़ने का ढंग, सुर लय का ध्यान रखा जाएगा।		शब्द-अर्थ साधु-सज्जन

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

पाठ्य सामग्री	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
बारे मे पूछ लेना चाहिए। किसी व्यक्ति से उसकी जाति या वर्ण न पूछकर हमें उसके अन्दर छिपे ज्ञान को जानना चाहिए। वही ज्ञान जीवन को उच्च बनाएगा। हमें तलवार का मोल भाव करना चाहिए। म्यान को वहीं पड़े रहने देना चाहिए। तलवार को मुख्य मानना चाहिए न कि म्यान को।	**अनुकरण वाचन :-** आदर्श वाचन के बाद बच्चों से अनुकरण वाचन करवाया जाएगा।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व पुस्तिका में कठिन शब्दों को लिखेंगे।	
	अशुद्धि संशोधन :- अनुकरण वाचन करते समय आई अशुद्धियों को दूर किया जाएगा।		शब्द - अर्थ म्यान - तलवार रखने का स्थान।
भावार्थ :- कबीर जी लोगो से वास्तविकता को जानने के लिए कहते है। न कि किसी की जाति पूछनी चाहिए।	**शब्दार्थ :-** आदर्श वाचन व अशुद्धि संशोधन के बाद छात्राध्यापिका कविता के आये कठिन शब्दों का अर्थ बताएंगी।		

Scanned with CamScanner

पाठ्य-सामग्री	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
2. आवत गारी .... की एक			
व्याख्या :- कबीर जी कहते हैं कि जब किसी के द्वारा दी गई कोई गाली देता है तो वह अपने आप में दी गई गाली है लेकिन जब इसी गाली को प्रति-क्रिया स्वरूप लौटाया जाता है तो वह अनेक रूप धारण कर लेती है, क्योंकि एक गाली के बदले दूसरे को अनेक गालियाँ देता है। हमें ऐसे अभद्र वचनों को किसी को भी प्रतिक्रिया स्वरूप नहीं देना चाहिए। चाहे वह कितनी कटु	व्याख्या एवं भाव विश्लेषण :- साखी की व्याख्या व भाव विश्लेषण के लिए छात्राध्यापिका छात्रों से सरल प्रश्न पूछेगी :-	छात्र पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे :-	शब्द-अर्थ
	1) 'साधु' का अर्थ क्या है?	1) सज्जन।	आवत-आना
	2) 'म्यान' का अर्थ क्या है?	2) तलवार	गारी-गाली
	3) इन साखियों के कवि कौन है?	3) कबीर दास जी	
	4) 'आवत' का अर्थ क्या है?	4) आना	
	5) 'गारी' का अर्थ क्या है?	5) गाली।	

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No.......................... Class..........................

Subject.......................... Time..........................

Topic.......................... Date..........................

पाठ्य - सामग्री	अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
क्यों न हो। कबीर जी कहते है हमें बुराई को बुराई से नहीं न करके बुराई को अच्छाई से मिटाना चाहिए क्योंकि बुराई के कारण ही अनेक कुरीतियाँ फैलती है। बुराई की हमेशा हार होती है और अच्छाई की हमेशा जीत होती है।	**पुन: आदर्शवाचन :-** छात्रा - ध्यापिका भाव ग्रहण और पूर्ण रसास्वादन के लिए सारवी का पुन: सह - स्वरवाचन करेगी।	छात्रा ध्यानपूर्वक सुनेंगे और मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे	शब्द-अर्थ मिटाना - खत्म करना।
भावार्थ :- कबीर जी ने बुराई को अच्छाई से मिटाने की बात कही है।			

पुनरावृत्ति :-

छात्राध्यापिका पढ़ाई गई विषय-वस्तु में से निम्नलिखित प्रश्न पूछेगी :-

1. पहली साखी का भावार्थ क्या है?
2. 'साधु' का अर्थ क्या है?
3. दूसरी साखी का भावार्थ क्या है?

गृहकार्य :-

छात्राध्यापिका छात्रों को निम्नलिखित गृहकार्य देगी :-

सभी छात्र 'कबीर की साखियों' की व्याख्या लिखकर व याद करके लानी है।

Pawan
20/12/16

Lesson No. : 3

Pupil Teacher's Roll No. 29 — Class 6th D

Subject: हिन्दी — Time: 35 मिनट

Topic: क्रिया विशेषण व उसके भेद — Date: 21.1.17 2016

अनुदेशनात्मक सामग्री :-

चाक, डस्टर, संकेतक व चाकपट्ट

विशिष्ट सामग्री :-

विषय - वस्तु सबंधी चार्ट।

सामान्य उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
2. विद्यार्थियों की कल्पना शक्ति का विकास करना।
3. विद्यार्थियों में व्याकरण के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
4. विद्यार्थियों के शब्द भण्डार में वृद्धि करना।
5. विद्यार्थियों की चिन्तन शक्ति का विकास करना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

विषय - वस्तु की समाप्ति के बाद छात्रों के व्यवहार मे निम्नांकित परिवर्तन आ जाएंगे :-

1. विद्यार्थियों को पाठ्य - वस्तु संबंधी ज्ञान हो जाएगा।
2. विद्यार्थी 'क्रिया विशेषण' की पहचान कर पाएंगे।
3. विद्यार्थी 'क्रिया विशेषण व उसके भेदों' के उदाहरण दे पाएंगे।
4. विद्यार्थी 'क्रिया विशेषण व उसके भेदों' मे तुलना कर पाएंगे।
5. प्राप्त ज्ञान को दैनिक जीवन मे प्रयोग कर पाएंगे।

अनुमानित पूर्वज्ञान :-

विद्यार्थी विशेषण के बारे में सामान्य

Scanned with CamScanner

जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षा : छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित निम्नांकित प्रश्न पूछेगी :-

1. क्रिया किसे कहते हैं?
2. क्रिया का कोई उदाहरण दो?
3. जो शब्द क्रिया की विशेषता को प्रकट करे, उन्हें क्या कहते हैं?

उद्देश्य कथन :- छात्रों से सन्तोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका घोषणा करेगी कि "अच्छा बच्चों" आज हम 'क्रिया विशेषण व उसके भेदों के बारे में अध्ययन करेंगे।"

प्रस्तुतीकरण :- विषय-वस्तु का अध्ययन छात्राध्यापिका छात्रों के सक्रिय सहयोग से करेगी :-

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
क्रिया विशेषण :-	जो शब्द क्रिया की विशेषता को प्रकट करते हैं, उसे क्रिया विशेषण कहते हैं।	ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे।	

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No.............................. Class..............................

Subject.............................. Time..............................

Topic.............................. Date..............................

शिक्षण-बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रा क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	जैसे :- ⇒ पूनम सुंदर लिखती है। ⇒ जानवी मधुर गाती है।		सुन्दर और मधुर शब्द क्रिया विशेषण है।
क्रिया के भेद ⇒	क्रिया के चार भेद है :- 1) कालवाचक क्रिया विशेषण 2) स्थानवाचक क्रिया विशेषण 3) रीतिवाचक क्रिया विशेषण 4) परिमाण वाचक क्रिया विशेषण।	छात्रा ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे	
1) कालवाचक क्रिया विशेषण :-	जो शब्द काल की विशेषता को प्रकट करते हो, उसे काल वाचक क्रिया विशेषण कहते है। जैसे :- मुझसे बार-बार मत पूछो।		जैसे :- बार-बार कालवाचक विशेषण है।

विषय-वस्तु	व्याख्यात्मक क्रिया	छात्रानुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
2) स्थानवाचक क्रिया विशेषण :-	जो शब्द क्रिया के स्थान की विशेषता को प्रकट करे, उसे स्थानवाचक क्रिया विशेषण कहते है। जैसे :- मेरे पास आओ, अन्दर आओ और मेरे पास यहाँ बैठो।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिन्दुओं को लिखेंगे।	अन्दर, यहाँ स्थान वाचक क्रिया विशेषण है।
3) रीतिवाचक क्रिया विशेषण :-	जो शब्द क्रिया की रीति सबंधी विशेषताओं को प्रकट करते है, उन्हें रीतिवाचक क्रिया विशेषण कहते है। जैसे :- • खरगोश जल्दी-जल्दी चलता है। • कछुआ धीरे-धीरे चलता है। • प्रीति बहुत धीरे-धीरे बोलती है।		जल्दी-जल्दी धीरे-धीरे

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No.. Class..

Subject.. Time..

Topic.. Date..

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र-क्रिया	श्यामपट्टकार्य
4) परिणामवाचक क्रिया विशेषण :-	जो शब्द क्रिया के परिणाम संबंधी विशेषता को बताएं, उसे परिणामवाचक क्रिया विशेषण कहते हैं। पेट भरकर खाओ।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे	

पुनरावृत्ति :-

विषय-वस्तु की समाप्ति के बाद छात्राध्यापिका छात्रों से निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :-

1. क्रिया विशेषण किसे कहते हैं?
2. क्रिया विशेषण के भेदों के नाम बताओ?
3. स्थानवाचक क्रिया विशेषण का उदाहरण दो?
4. परिणामवाचक क्रिया विशेषण का उदाहरण बताओ?

गृहकार्य :-

छात्राध्यापिका छात्रों को निम्नोक्त गृहकार्य देगी :-

सभी छात्र घर से क्रिया विशेषण उसके भेदों को लिखकर व याद करके लाएंगे।

Palwan
21/12/1?

Lesson No. : 4

Pupil Teacher's Roll No. 29 Class 6th D

Subject हिन्दी Time 30 मिनट

Topic संज्ञा व उसके भेद Date 22/12/2016

अनुदेशनात्मक सामग्री :-

चॉक, डस्टर, संकेतक और चाकपट्ट।

विशिष्ट सामग्री :-

विषय-वस्तु को प्रदर्शित करता चार्ट।

सामान्य उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
2. कल्पना शक्ति का विकास करना।
3. विषय-वस्तु के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
4. विद्यार्थियों को शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करना।
5. विद्यार्थियों के शब्द भण्डार में वृद्धि करना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

विषय-वस्तु की समाप्ति के बाद छात्रों में निम्नोक्त अपेक्षित परिवर्तन आ जाएंगे :-

1. विद्यार्थी 'संज्ञा व उसके भेदों' को पहचान पाएंगे।
2. विद्यार्थी 'संज्ञा व उसके भेदों' का प्रत्यास्मरण कर पाएंगे।
3. विद्यार्थी 'संज्ञा व उसके भेदों' का वर्गीकरण कर पाएंगे।
4. विद्यार्थी 'संज्ञा व उसके भेदों' के उदाहरण दे पाएंगे।
5. विद्यार्थियों को उपविषय संबंधी ज्ञान हो जाएगा।

अनुमानित पूर्वज्ञान परीक्षा :- विद्यार्थी संज्ञा के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

Scanned with CamScanner

पूर्वज्ञान परीक्षा :-

छात्राध्यापिका सामान्य ज्ञान पर आधारित निम्नलिखित प्रश्न पूछेगी :-

1. किसी वस्तु को उठाकर यह क्या है?
2. आपका नाम क्या है?
3. आप कहाँ रहते हैं?
4. जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु और स्थान का बोध कराए, उसे क्या कहते है?

उद्देश्य कथन :-

~~छात्राध्यापिका~~ छात्राध्यापिका छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर घोषणा करेगी कि "अच्छा बच्चों, आज हम 'संज्ञा व उसके भेदो के विषय मे अध्ययन करेंगे।"

प्रस्तुतीकरण :-

छात्राध्यापिका विषय-वस्तु का अध्ययन छात्रों के सक्रिय सहयोग से करेगी :-

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	(छात्राध्यापिका विषय-वस्तु की पूर्ण-रूपेण व्याख्या करेगी)	(छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिन्दुओं को लिखेंगे)	
संज्ञा :-	जो शब्द किसी		

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class. ....

Subject. .... Time. ....

Topic. .... Date. ....

विषय-वस्तु	अध्यापिका क्रिया	छात्रक्रिया	श्यामपट्टकार्य
	व्यक्ति, वस्तु, स्थान, जाति, भाव का बोध कराए, उसे संज्ञा कहते है। जैसे :- राम, कलम, गाय, मिठास आदि।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व उत्तर (प्र-उत्तरों) के उत्तर देंगे	जैसे :- राम खेल रहा है।
संज्ञा के भेद :-	संज्ञा के मुख्य पांचों भेद होते है :- 1) व्यक्तिवाचक संज्ञा 2) जातिवाचक संज्ञा 3) द्रव्यवाचक संज्ञा 4) समुदायवाचक संज्ञा 5) भाववाचक संज्ञा।		
1) व्यक्तिवाचक संज्ञा :-	जिस संज्ञा शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते है। जैसे :- भारत, गंगा।		जैसे :- भारत, गंगा, दिल्ली, राम।

Scanned with CamScanner

शिक्षण-वस्तु	शिक्षणात्मक क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
2) जातिवाचक संज्ञा :-	जिस संज्ञा शब्द से किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान की जाति या समूह का बोध हो, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे :- शेर, कुत्ता, मनुष्य आदि	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे।	जैसे — शेर, कुत्ता, मनुष्य, नदी, झील, पर्वत।
3) द्रव्यवाचक संज्ञा :-	जिस संज्ञा शब्द से किसी धातु या द्रव्य पदार्थ का बोध हो, उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे :- सोना, चाँदी, लोहा, पानी, घी, पीतल, काँसा आदि उदाहरण :- सोने के आभूषण सुंदर होते हैं।		जैसे → सोना, लोहा, पानी घी, चाँदी।

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No.................................... Class..

Subject.. Time..

Topic... Date..

शिक्षण-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
4) समुदायवाचक संज्ञा –	जिस संज्ञा शब्द से किसी समूह, समुदाय या झुंड का बोध हो, उसे समुदायवाचक संज्ञा कहते हैं, जैसे – सेना, कक्षा, परिवार, जनता, संघ आदि।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व प्रमुख बिन्दुओं को लिखेंगे।	जैसे – सेना, कक्षा, परिवार, जनता, संघ, सभा।
5) भाववाचक संज्ञा –	जो शब्द किसी वस्तु के गुण, धर्म, दशा आदि के भाव का बोध करवाएँ, उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे – मिठास, बुढ़ापा, सुन्दरता, बचपन आदि।		जैसे - मिठास, बुढ़ापा, सुन्दरता, बचपन।

Scanned with CamScanner

पुनरावृत्ति :-

शिक्षण - वस्तु की समाप्ति के बाद छात्राध्यापिका छात्रों से निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी ?

1. संज्ञा किसे कहते है ?
2. संज्ञा के कितने भेद है ?
3. भाववाचक संज्ञा किसे कहते है ?
4. द्रव्यवाचक संज्ञा का उदाहरण दो ?

गृहकार्य :-

छात्राध्यापिका छात्रों को निम्नोक्त गृहकार्य देगी :-

सभी छात्र घर से संज्ञा व उसके भेदो की परिभाषा उदाहरण सहित लिखकर व याद करके आएंगे ।

Pelvam
24/2/18

Lesson No. : ...5.........

Pupil Teacher's Roll No. 29 Class 6th D

Subject हिन्दी Time 35 मिनट

Topic पाठ 'क्या निराश हुआ जाए' Date 23/11/2016

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-
चॉक, डस्टर, संकेतक व चॉकपट्ट।

विशिष्ट सामग्री :-
विषय से संबंधित चार्ट।

सामान्य उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों को शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कराना।
2. विद्यार्थियों को मौन वाचन में निपुण बनाना।
3. विद्यार्थियों मे स्वाध्याय की आदत विकसित करना।
4. विद्यार्थियों मे सृजनात्मक शक्ति का विकास करना।
5. विद्यार्थियों मे लिखित व मौखिक रूप से विचारों को व्यक्त करने के योग्य बनाना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-
गद्य पाठ की समाप्ति के बाद छात्रों में निम्नोक्त अपेक्षित परिवर्तन आ जाएंगे :-

1. विद्यार्थी 'क्या निराश हुआ जाए' पाठ का प्रत्यास्मरण कर पाएँगे।
2. विद्यार्थी 'क्या निराश हुआ जाए' पाठ का अभिज्ञान कर पाएंगे।
3. विद्यार्थी 'क्या निराश हुआ जाए' पाठ का निष्कर्ष निकाल पाएंगे।
4. विद्यार्थी 'क्या निराश हुआ जाए' पाठ का मूल्यांकन कर पाएंगे।

अनुमानित पूर्वज्ञान :-
छात्र गद्य के विषय में सामान्य जानकारी रखते है।

पूर्वज्ञान परीक्षा :-
छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी।

1. हमारे देश में कौन - २ सी बुराइयाँ फैली हुई है?
2. भ्रष्टाचार का कुप्रभाव किस पर पड़ता है?
3. देश में ईमानदारी खत्म क्यों होती जा रही है?

उद्देश्य कथन :- छात्राध्यापिका छात्रों से सन्तोषजनक उत्तर न मिलने पर घोषणा करेगी कि "अच्छा बच्चों, आज हम 'मेरा निराश हुआ जाए' पाठ के बारे में अध्ययन करेंगे।"

प्रस्तुतीकरण :- छात्राध्यापिका विषय-वस्तु का विकास विद्यार्थियों के सक्रिय से करेगी :-

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	चाकबोर्ड कार्य
मेरा मन ------ ------ जाता है।			
व्याख्या :- लेखक अपना अनुभव बताते हुए कहता है कि देश की स्थिति पर विचार करते हुए कई बार मेरा मन बहुत उदास हो	आदर्श वाचन :- छात्राध्यापिका शुद्ध उच्चारण व विराम चिह्नों को ध्यान में रखते हुए उचित स्वर व भाव के अनुसार गद्यांश की	छात्र ध्यान-पूर्वक सुनेंगे।	

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

शिक्षण-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	श्यामपट्टकार्य
जाता है आज कल समाचार पत्रों में ठगी, डकैती तस्करी और भ्रष्टाचार के समाचार दिखाई देते हैं। राजनीति पार्टियों द्वारा एक-दूसरे पर तरह-२ के आरोपों और बदले में लगाए जाने वाले आरोपों का जो सिलसिला चलता है, उसे देखकर दुख तो होता ही है, साथ ही मन में प्रश्न भी उठता है कि क्या	वाचन करेगी। **अनुकरण वाचन :-** आदर्श वाचन के पश्चात् छात्राध्यापिका एक या एक से अधिक छात्रों से अनुकरण वाचन करने के लिए कहेगी। **उच्चारण संशोधन :-** छात्राध्यापिका अनुकरण वाचन के समय छात्रों द्वारा की गई अशुद्धियों का संशोधन करेगी।	जिस छात्र को अनुकरण वाचन करने के लिए कहा जाएगा वही करेगा। छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	**शब्द-अर्थ** गनैका - निकम्मा तस्करी - चोरी का व्यापार आरोप - इल्जाम

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रा क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
देश में ईमानदारी का व्यवहार करने वाले लोग रह ही नहीं गए हैं। आज देश का वातावरण ऐसा है कि किसी भी व्यक्ति पर शक या अविश्वास हो जाना स्वाभाविक है। यहाँ तक कि ऊँचे पदों पर बैठे लोगों पर भी बड़े-बड़े दोष लग रहे हैं क्योंकि वे अपने ऊँचे पदों का लाभ उठाकर अपने ही बारे में सोचते रहते हैं।	**शब्द व्याख्या :-** छात्राध्यापिका गद्यांश में आए कठिन शब्दों के अर्थ छात्रों के सहयोग से समझाएगी। **बोधपरीक्षा व विचार विश्लेषण :-** गद्यांश में व्यक्त किए विचारों को स्पष्ट करने के लिए छात्रों से भिन्न प्रश्न पूछेगी तथा विचारों का विश्लेषण करेगी :- 1) आजकल समाचार पत्रों में कौन-2 सी खबरें ज्यादा मिलती हैं?	छात्र पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे :- 1) ठगी, डकैती, भ्रष्टाचार व चोरी आदि	शब्द - अर्थ प्रत्यारोप - बदले में लगाया गया इल्जाम वातावरण - माहौल

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No.............................. Class..............................

Subject.............................. Time..............................

Topic.............................. Date..............................

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
जो व्यक्ति जितने ऊँचे पद पर होता है उसमें उतना ही अधिक दोष होते हैं और समाचार पत्रों में ऊँचे पदों वाले व्यक्ति के दोषों को बहुत ज्यादा प्रकाशित किया जाता है सामान्य से लेकर उच्च अधिकारियों तक के सभी व्यक्ति संदेह के घेरे में है।	2) देश में कैसे लोग रह गए हैं?	2) ईमानदारी।	
	3) इस गद्यांश में 'दृष्टि' का अर्थ क्या है?	3) नजर।	शब्द-अर्थ संदेह - शक दृष्टि - नजर
	4) इस गद्यांश में 'दोष' का क्या अर्थ है?	4) अवगुण।	दोष - अवगुण
	मौन वाचन :- छात्राध्यापिका छात्रों को मौन वाचन करने के लिए कहेगी ताकि छात्र गद्यांश के अर्थ व भाव को समझ सके।		

Scanned with CamScanner

पुनरावृत्ति :-

अध्यापिका पढ़ाए गए गद्यांश में से निम्नलिखित प्रश्न पूछेगी :-

1. 'क्या निराश हुआ जाए' पाठ के लेखक का नाम बताओ ?
2. आज देश में कैसा वातावरण बन गया है ?
3. आज भारतवर्ष में कैसी स्थिति देखने को मिलती है ?

गृहकार्य :-

अध्यापिका सभी छात्रों को निम्नलिखित गृहकार्य देगी :-

सभी छात्र छात्राएँ आज पढ़ाए गए गद्यांश की व्याख्या याद करके और कापी में लिखकर लानी है।

Pawan
23/12/16

Lesson No. : 6

Pupil Teacher's Roll No. 29 Class 6th D

Subject हिन्दी Time 30 मिनट

Topic काल व उसके भेद Date 24/12/2016

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :

चॉक, डस्टर, संकेतक व चाकग्रह

शिक्षण सामग्री :

विषय से संबंधित चार्ट।

सामान्य उद्देश्य :

1. विद्यार्थियों को सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
2. विद्यार्थियों की कल्पनाशक्ति का विकास करना।
3. विद्यार्थियों की विषय-वस्तु के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
4. विद्यार्थियों को शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करना।
5. विद्यार्थियों के शब्द भण्डार में वृद्धि करना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

विषय-वस्तु की समाप्ति के बाद विद्यार्थियों में निम्नोक्त अपेक्षित परिवर्तन आ जाएंगे:-

1. विद्यार्थी 'काल व उसके भेदों' को पहचान पाएंगे।
2. विद्यार्थी 'काल व उसके भेदों' का प्रत्यास्मरण कर पाएंगे।
3. विद्यार्थी 'काल व उसके भेदों' का वर्गीकरण कर पाएंगे।
4. विद्यार्थी 'काल व उसके भेदों' के उदाहरण दे पाएंगे।
5. विद्यार्थियों को उपविषय संबंधी ज्ञान हो जाएगा।

अनुमानित पूर्वज्ञान :-

विद्यार्थी 'काल' के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षा :-

छात्राध्यापिका सामान्य ज्ञान पर

Scanned with CamScanner

आधारित निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :-

1. हम जो भी कार्य करते हैं, उसे क्या कहते हैं।
2. जिस शब्द से किसी काम के करने या होने का बोध हो उसे क्या कहते हैं।
3. क्रिया के जिस रूप से समय का बोध हो उसे क्या कहते हैं।

उद्देश्य कथन :-

छात्राध्यापिका छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर घोषणा करेगी कि, "अच्छा बच्चो आज हम काल व उसके भेदों के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

छात्राध्यापिका विषय - वस्तु का अध्ययन छात्रों के सक्रिय सहयोग से ~~करेगी~~ करेगी :-

विषय - वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
काल :-	क्रिया के जिस रूप से समय का बोध हो उसे काल कहते हैं।	(ध्यानपूर्वक) सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे।	

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

शिक्षण-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रा क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	• राम पुस्तक पढ़ता है। • राम ने पुस्तक पढ़ी • राम पुस्तक पढ़ेगा।	ध्यानपूर्वक सुनेंगी व प्रश्न [illegible] का [illegible]।	
काल के भेद :-	1. वर्तमान काल 2. भूतकाल 3. भविष्यत् काल		काल के भेद :- 1. वर्तमान काल 2. भूत काल 3. भविष्यत् काल
1. वर्तमान काल :-	क्रिया के जिस रूप से चल रहे समय का बोध हो, उसे वर्तमान काल कहते हैं। जैसे :- राम खेलता है। सीता बोल रही है। प्रीति पढ़ रही है।		उदाहरण :- प्रीति पढ़ रही है।

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रा क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
2) भूतकाल :-	क्रिया के जिस रूप से बीते हुए समय का बोध हो, उसे भूतकाल कहते हैं। जैसे :- • उसने पत्र लिखा। • राम ने रावण को मारा।	छात्र ध्यानपूर्वक प्रश्नों व उत्तरों क्रियाओं को लिखेंगे।	उदाहरण :- राम ने रावण को मारा।
3) भविष्यत् काल :-	क्रिया के जिस रूप से आने वाले समय का बोध हो, उसे भविष्यत् काल कहते हैं। जैसे :- • आने वाले समय में अध्यापिका बनूंगी। • राम पुस्तक पढ़ेगा।		

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No.. Class..

Subject.. Time..

Topic.. Date..

पुनरावृत्ति :-

विषय-वस्तु की समाप्ति के बाद छात्राध्यापिका छात्रों से निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :-

1. काल किसे कहते हैं?
2. वर्तमान काल का उदाहरण दो?
3. भविष्यत् काल की परिभाषा बताओ?
4. काल के कितने भेद होते हैं?

गृहकार्य :-

छात्राध्यापिका छात्रों को निम्नोक्त गृहकार्य देगी :-

सभी छात्र घर से काल व उसके भेदों की परिभाषा उदाहरण सहित लिखकर व याद करके आऐंगे।

Pal... 24/12/...

Lesson No. : 7

Pupil Teacher's Roll No. 29 Class 6th D

Subject हिन्दी Time 35 मिनट

Topic विद्यार्थी और अनुशासन (निबंध) Date 3/11/2017

अनुदेशनात्मक सामग्री :- चॉक, झाड़न, संकेतक व श्यामपट्टकार्य।

विशिष्ट सामग्री :- विषय - वस्तु संबंधी चार्ट।

सामान्य उद्देश्य :-

विद्यार्थियों की कल्पना शक्ति का विकास करना।

1. विद्यार्थियों को सुन्दर और स्पष्ट लेख लिखने के योग्य बनाना।
2. विद्यार्थियों की मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति में स्पष्टता व शुद्धता लाना।
3. विद्यार्थियों को व्याकरण संबंधी भाषा का प्रयोग करने के योग्य बनाना।
4. विद्यार्थियों को लेखन की विभिन्न शैलियों से परिचित कराना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :- विषय-वस्तु की समाप्ति के बाद छात्रों के व्यवहार में निम्नोक्त परिवर्तन आ जाएंगे :-

1. छात्र 'विद्यार्थी और अनुशासन' निबंध का प्रत्यास्मरण कर पाएंगे।
2. छात्र 'विद्यार्थी और अनुशासन' के विषय में तर्क दे पाएंगे।
3. छात्र निबंध की समीक्षा कर पाएंगे।
4. छात्र निबंध का सार बता पाएंगे।

Scanned with CamScanner

अनुमानित पूर्वज्ञान :- छात्र विद्यार्थी और अनुशासन के बारे में सामान्य जानकारी रखते है।

पूर्वज्ञान परीक्षा :- छात्राध्यापिका छात्रो से पूर्वज्ञान पर आधारित निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :-

1. पढ़ने वाले बच्चों को क्या कहते है?
2. विद्यार्थी पढ़ने के लिए कहाँ जाते है?
3. विद्यालय में सबसे महत्वपूर्ण विषय कौन सा होता है?
4. अनुशासन क्या होता है?

उद्देश्यपूर्ण कथन :- छात्रों से सन्तोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका घोषणा करेगी कि "अच्छा बच्चों, आज हम 'विद्यार्थी और अनुशासन' के विषय में अध्ययन करेंगे।"

प्रस्तुतीकरण :- विषय - विषय का विकास छात्राध्यापिका छात्रों के सक्रिय सहयोग से करेगी :-

विषय - वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
विद्यार्थी का अनुशासन समाज व देश की	(1) विद्यार्थी का अनुशासन समाज व देश की कैसी		

Pupil Teacher's Roll No.................. Class..................

Subject.................. Time..................

Topic.................. Date..................

विषय - वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
अमूल्य निधि है। विद्यार्थी समाज की रीढ़ की हड्डी है।	निधि है?	1) अमूल्य निधि	
क्योंकि वे आगे चलकर राजनेता बनते है।	2) विद्यार्थी समाज का क्या है?	2) रीढ़ की हड्डी।	
देश की बागडोर को सम्भालने का कार्य करते है। विद्यार्थी जीवन पूर्णतः अनुशासित होना चाहिए।	3) देश की बागडोर को संभालने का कार्य कौन - करते है?	3) विद्यार्थी	विद्यार्थी का [illegible] जरूरी नियम -
विद्यार्थी का जीवन सुन्दर बनाने के लिए अनुशासन का विशेष महत्व है।	4) विद्यार्थी का जीवन कैसा होना चाहिए?	4) अनुशासित होना चाहिए।	अनुशासन
अनुशासन को जो लोग बन्धन मानते है। वे लोग मूर्खता करते है।	5) जो लोग अनुशासन को बन्धन मानते है वे कौन होते है?	5) वे लोग मूर्ख होते है।	
जिस प्रकार हमारे शरीर का संचालन मस्तिष्क द्वारा होता है और हमारी वाक	6) हमारे शरीर का संचालन किसके द्वारा होता है?	6) मस्तिष्क द्वारा।	

विषय - वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रा क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
यदि इन्द्रियाँ अपना-2 कार्य बंद करदे तो हमारा जीवन नीरस भार होकर गतिहीन और रसविहीन हो जाएगा।	7) यदि इन्द्रियाँ अपना-2 कार्य बंद कर दे तो हमारा जीवन कैसा होगा?	7) नीरस भार होकर गतिहीन और रसविहीन हो जाएगा।	
अनुशासन के बिना जीवन चाक बिना ब्रेक की गाड़ी के समान होता है। अनुशासन शब्द दो शब्दो के मेल से	8) अनुशासन के बिना जीवन कैसा होगा?	8) अनुशासन के बिना जीवन चाक बिना ब्रेक की गाड़ी के समान होता है।	अनुशासन के दो शब्द - अनु और शासन
बना है। अनुशासन अनु का अर्थ है-पीछे और शासन का अर्थ है- आज्ञा। अतः	9) अनुशासन कितने शब्दो के मिलने से बना है?	9) दो शब्दो से मिलकर बना है।	अनु- पालन शासन- आज्ञा
अनुशासन का अर्थ है - आज्ञा का पालन करना। अतः हम जो भी कार्य अनुशासन बद्ध करेंगे तो	10) अनुशासन के दो शब्द कौन-2 से है?	10) अनु और शासन।	
सफलता निश्चित मिलेगी। अनुशासन	11) 'अनु' का अर्थ क्या है?	11) पालन।	
दो प्रकार का होता है- 1 बाह्य अनुशासन 2 आंतरिक अनुशासन	12) 'शासन' का अर्थ क्या है?	12) आज्ञा।	

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No.. Class..

Subject.. Time..

Topic.. Date..

शिक्षण-बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट कार्य
बाह्य अनुशासन परिवार तथा विद्यालयों में देखने को मिलता है यह भय पर आधारित होता है	(3) अनुशासन कितने प्रकार का होता है?	(3) दो।	
जब तक वह नियमों का पालन करता है भय समाप्त	(4) अनुशासन के दोनों प्रकारों के नाम बताओ?	(4) बाह्य अनुशासन और आंतरिक अनुशासन	अनुशासन दो प्रकार का होता है-
होता नहीं है। वह उदण्ड हो जाता है। भय से प्राप्त	(5) बाह्य अनुशासन कहाँ पर होता है?	(5) परिवार व विद्यालयों मे	1 बाह्य अनुशासन
अनुशासन ही बालक को डरपोक बनाता है आंतरिक अनुशासन ही सच्चा अनुशासन	(6) भय पर आधारित कौन-सा अनुशासन है?	(6) बाह्य अनुशासन।	2 आंतरिक अनुशासन
है जो कुछ सत्य है। कल्याणकारी है। उसे स्वेच्छा से मानना ही आंतरिक	(7) आंतरिक अनुशासन कैसा अनुशासन है?	(7) सच्चा अनुशासन।	
अनुशासन है इसे हम आत्म अनुशासन कहते हैं।	(8) आंतरिक अनुशासन को और क्या कहते हो?	(8) आत्म अनुशासन।	

Scanned with CamScanner

पुनरावृत्ति :-

अध्यापिका विषय-वस्तु की समाप्ति के बाद निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :-

1. अनुशासन कितने शब्दों से मिलकर बना है?
2. अनुशासन कितने प्रकार का होता है?
3. आंतरिक अनुशासन किसे कहते हैं?

गृहकार्य :-

अध्यापिका सभी छात्रों को निम्नोक्त गृहकार्य देगी :-

सभी छात्र घर से 'विद्यार्थी और अनुशासन' निबंध को अच्छी प्रकार से याद करके आना है।

Pawan
09/01/17

Scanned with CamScanner

Lesson No. : 8

Pupil Teacher's Roll No. 29

Subject: हिन्दी

Class: 6th ए

Topic: विराम - चिह्न

Time: 40 मिनट

Date: 10/1/2017

अनुदेशनात्मक सामग्री :-

चॉक, डस्टर, संकेतक और चॉकबोर्ड।

विशिष्ट सामग्री :-

विराम - वस्तु संबंधी चार्ट

सामान्य उद्देश्य :-

1. छात्रों को शब्दयोजना तथा वर्तनी का ज्ञान कराना।
2. छात्रों को वाक्य रचना के नियम तथा विराम चिह्नों का शुद्ध प्रयोग का ज्ञान कराना।
3. छात्रों की चिन्तन शक्ति का विकास कराना।
4. छात्रों को भाषा के गुण - दोषों को परखने करने के योग्य बनाना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

विषय - वस्तु की समाप्ति के बाद छात्रों के व्यवहार में निम्नोक्त परिवर्तन आ जाएंगे :-

1. छात्र 'विराम - चिह्नों' का प्रत्यास्मरण कर पाएंगे।
2. छात्र 'विराम - चिह्नों' के उदाहरण दे पाएंगे।
3. छात्र 'विराम चिह्नों' का वर्गीकरण कर पाएंगे।
4. प्राप्त ज्ञान को दैनिक जीवन में प्रयोग कर पाएँगे।

अनुमानित पूर्वज्ञान :-

छात्र 'विराम - चिह्नों' के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षा :-

छात्राध्यापिका पूर्वज्ञान पर आधारित निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :-

Scanned with CamScanner

1. ज्यादा काम करने के बाद हमें किसकी आवश्यकता होती है?
2. इसी प्रकार हमें सही वाक्य बोलने के लिए किसकी आवश्यकता होती है?
3. इन चिह्नों को क्या कहते हैं?

उद्देश्य कथन :-

छात्राध्यापिका छात्रों से सन्तोषजनक उत्तर न मिलने पर घोषणा करेगी कि "अच्छा, बच्चों, आज हम 'विराम-चिह्नों' के विषय में अध्ययन करेंगे।"

प्रस्तुतीकरण :-

छात्राध्यापिका विषय-वस्तु का अध्ययन छात्रों के सक्रिय सहयोग से करेगी :-

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	चॉकपट्टकार्य
विराम-चिह्न :-	अपने मन के भावों को ठीक प्रकार से प्रकट करने के लिए वाक्यों में विराम चिह्नों का महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि इनके अशुद्ध प्रयोग के कारण अर्थ का अनर्थ हो जाता है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class. ....

Subject. .... Time. ....

Topic. .... Date. ....

विषय - वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
	जैसे :- उसे पकड़ो मत जाने दो। इस वाक्य में विराम चिह्नों का प्रयोग आपके अनुसार करें तो वाक्य होंगे :- उसे पकड़ो, मत जाने दो। • उसे पकड़ो मत, जाने दो। ~~तो इन वाक्यों का अर्थ ही भिन्न-2 हो गया।~~	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिन्दुओं को लिखेंगे	जैसे :- उसे पकड़ो मत जाने दो।
	विराम-चिह्न मुख्य छः प्रकार के होते हैं :- 1) पूर्ण विराम (।) 2) अल्प विराम (,) 3) अर्द्ध विराम (;) 4) निर्देशक (—) 5) विस्मयादिबोधक चिह्न (!) 6) प्रश्नवाचक चिह्न (?)		

Scanned with CamScanner

शिक्षण-बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रानुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
1) पूर्ण विराम (।) :-	एक वाक्य के समाप्त हो जाने या एक भाव के प्रकट हो जाने पर पूर्ण विराम के चिह्न (।) का प्रयोग किया जाता है जैसे :- कभी झूठ मत बोलो।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिन्दुओं को लिखेंगे।	जैसे - कभी झूठ मत बोलो।
2) अल्पविराम (,) :-	वाक्यों का उच्चारण करते समय जब किसी एक शब्द को दूसरे शब्द से या एक वाक्य को दूसरे वाक्य के भाव से अलग करने के लिए थोड़े से समय के लिए रुकते है तब अल्प विराम के चिह्न (,) का प्रयोग करते है। जैसे :- राम, श्याम, सुरेश और कमल खेल रहे है।		जैसे :- राम, श्याम, सोहन, मोहन और कमल खेल रहे है।
3) अर्द्ध विराम (;) :-	अल्प विराम से अधिक समय तक रुकने के लिए अर्ध विराम चिह्न (;) लगाया जाता है। जैसे :- स्वतन्त्रता के बाद नागरिक देश-भक्ति के गीत गाने लगे, वंदे मातरम का गीत गूंज उठा,		जैसे :- स्वतन्त्रता के बाद नागरिक देश भक्ति के गीत गाने लगे, वंदे-मातरम् का गीत गूंज उठा; देश के लाडले

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
4) निर्देशक (-) :-	देश के लाड़ले सपूत एक-दूसरे से गले लग गए। आपस में बातचीत करते समय बोलने के वाक्यों को प्रकट करने के लिए निर्देशक नामक विराम चिह्न (-) का प्रयोग किया जाता है। जैसे :- विद्यालयों का भार है। शिक्षा का हर	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व पुस्तिका में लिखेंगे	सपूत एक-दूसरे से गले लग गए। जैसे :- विद्यालय का भार है - शिक्षा का हार।
5) विस्मयादिबोधक चिह्न (!) :-	मन में उठने वाले विस्मय, हर्ष, शोक, घृणा, भय, उल्लास, आश्चर्य जैसे भावों को प्रकट करने के लिए विस्मयादिबोधक चिह्न का प्रयोग (!) किया जाता है। जैसे :- वाह! क्या सुंदर झरना है।		जैसे :- वाह! क्या सुन्दर झरना है।
प्रश्नवाचक चिह्न (?) :-	जब वाक्य प्रश्न का बोध कराते हैं तो उन्हें प्रकट करने के लिए उनके अंत में पूर्ण विराम के स्थान पर प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे :- तुम कहाँ जा रहे हो?		जैसे :- तुम कहाँ जा रहे हो?

Scanned with CamScanner

पुनरावृत्ति :-
छात्राध्यापिका छात्रों से पढ़ाई गई विषय वस्तु में से निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :-

1 विराम चिह्न क्या होते हैं?
2. प्रश्नवाचक चिह्न का उदाहरण दो।
3. पूर्ण विराम का कोई उदाहरण दो?

गृहकार्य :-
छात्राध्यापिका सभी छात्रों को निम्नोक्त गृहकार्य देगी :-

सभी छात्र घर से विराम - चिह्न के बारे में लिखकर व याद करके आएंगे।

Pabvan
10/01/17

Scanned with CamScanner

Observation Lesson No. : 1

Pupil Teacher's Roll No. 39

Subject Phy Science

Topic ऊर्जा के स्रोत

Class 7th

Time 20 min

Date 11-5-17

1. चाकपट्ट प्रवृत्तियाँ भरी गई।
2. पूर्वज्ञान परीक्षा मे बच्चो ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया।
3. दृश्य श्रव्य सामग्री का प्रयोग किया गया।
4. पाठ का अभ्यास सही समय पर कराया गया।
5. पुनरावृत्ति की गयी

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor Pawan

Observation Lesson No. : 2

Pupil Teacher's Roll No. 39

Subject English

Topic Noun

Class 7th

Time 20 min

Date 15-5-17

1. चाक प्रवृत्तियाँ भरी गई।
2. पूर्वज्ञान परीक्षा सही समय पर कराई गई।
3. चार्ट का प्रयोग किया गया
4. शिक्षक की वाणी प्रभावपूर्ण थी।
5. अन्त मे गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor Pawan

Scanned with CamScanner

Observation Lesson No. : 3

Pupil Teacher's Roll No. 35 | Class 7th

Subject S.S. | Time 20 min

Topic मौलिक अधिकार | Date 11-5-17

1. चाकपट्ट प्रवृत्तियाँ भरी गई।
2. पूर्वज्ञान परीक्षा उपविषय से सम्बन्धित थी।
3. चार्ट का प्रयोग किया गया।
4. पुनरावृति भी की गयी।
5. अन्त में गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. : 4

Pupil Teacher's Roll No. 39 | Class 7th

Subject English | Time 20 min

Topic Tens | Date 15-5-17

1. चाकपट्ट कार्य किया गया।
2. पूर्वज्ञान परीक्षा अच्छी थी।
3. चाकपट्ट पर लिखाई अच्छी थी।
4. कक्षा में अनुशासन था।
5. पुनरावृति की गई।
6. अन्त में गृह कार्य दिया गया।
7. उपविषय की घोषणा समय पर की गई।
8. वाणी में स्पष्टता थी।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Scanned with CamScanner

Observation Lesson No. : ...5.......

Pupil Teacher's Roll No. ...22...... Class ...7th...

Subject ...Hindi... Time ...20 min...

Topic ...संधि... Date ...11-5-17...

श्यामपट प्रवृत्तियाँ भरी गई।
पूर्वज्ञान पाठ योजना से संबंध था।
विधि का प्रयोग किया गया।
चार्ट का सही प्रयोग किया गया।
वाणी मे उतार - चढ़ाव था
अन्त मे गृह कार्य किया गया।
वाणी मे स्पष्टता थी.
उपविषय की घोषणा की गई

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. : ...6.......

Pupil Teacher's Roll No. ...22...... Class ...7th...

Subject ...S.S.... Time ...20 min...

Topic ...लोकतंत्र सरकार... Date ...15-5-17...

श्यामपट प्रवृत्तियाँ भरी गई।
पूर्वज्ञान परीक्षा अच्छी थी।
सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।
वाणी प्रभावपूर्ण व स्पष्ट थी.
अन्त मे गृह कार्य किया गया।
उपविषय की घोषणा की गई
चार्ट का प्रयोग किया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Scanned with CamScanner

Observation Lesson No. : 7

Pupil Teacher's Roll No. 22 | Class 7th
Subject Hindi | Time 20 min
Topic कबीर के दोहे | Date 11-5-17

1. चाक गतिविधियाँ करी गई।
2. पूर्वज्ञान परीक्षा सही ढंग से ली गई।
3. श्यामपट्ट पर लिखाई अच्छी थी।
4. कक्षा मे अनुशासन अच्छा था।
5. अन्त मे गृह कार्य दिया गया।
6. वाणी मे स्पष्टता थी।
7. उपविषय का प्रयोग सही समय पर किया गया।

Sign. of Pupil Teacher | Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. : 8

Pupil Teacher's Roll No. 29 | Class 7th
Subject S.S. | Time 20 min
Topic पर्यावरण प्रदूषण | Date 15-5-17

1. पूर्वज्ञान परीक्षा अच्छी थी।
2. उपविषय को चाकपट्ट पर लिखा गया।
3. श्यामपट्ट पर लिखाई अच्छी थी।
4. वाणी प्रभावपूर्ण थी।
5. अन्त मे गृह कार्य दिया गया।
6. कक्षा मे अनुशासन था।
7. वाणी मे स्पष्टता थी।

Sign. of Pupil Teacher | Sign. of Supervisor

Scanned with CamScanner

Observation Lesson No. : 1

Pupil Teacher's Roll No. 101 Class 8 th

Subject English Time 20 मिनट

Topic Noun Date

(1) पाठ शिक्षण सही समय पर शुरु किया गया।
(2) पूर्वज्ञान परीक्षा सही समय पर हुई।
(3) रंगीन चॉक का प्रयोग किया गया।
(4) पाठ शिक्षण हाव-भाव से परिपूर्ण था।
(5) शिक्षक की वाणी स्पष्ट व प्रभावपूर्ण थी।
(6) पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या व प्रश्नोत्तर विधि का प्रयोग किया गया।
(7) अन्त में गृहकार्य दिया गया।
(8) पाठ रोचक व आकर्षक था।

Satyendra
Sign. of Pupil Teacher

Pawan
Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. : 2

Pupil Teacher's Roll No. 109 Class 7 th

Subject S.S. Time 20 मिनट

Topic मानचित्र Date

(1) पाठ सही समय पर शुरु हुआ।
(2) श्यामपट्ट कार्य किया गया।
(3) पूर्वज्ञान परीक्षा सही समय पर हुई।
(4) वाणी में उतार-चढ़ाव देखा गया।
(5) शिक्षक का व्यवहार छात्रों के प्रति सहानुभूति पूर्ण था।
(6) पुनरावृति की गई।
(7) अन्त में गृहकार्य दिया गया।

Satyendra
Sign. of Pupil Teacher

Pawan
Sign. of Supervisor

Scanned with CamScanner